हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

30 मार्च, 1988

खण्ड 1, अंक 11

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधावर, 30 मार्च, 1988

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(11)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित	(11)21
प्र न को लिखित उत्तर	(11)22

ध्यानाकर्शण प्रस्तावः—	
जिला अम्बाला, ब्लौक बराडा, के गांव मिल्क धनकोट में औद्योगिक रसायन आदि के गलत प्रयोग के कारण प ाुओं की मृत्यु सम्बन्धी	(11)22
वक्तव्यः—	
प ा पालन राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानपाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(11)23
समितियों की रिपोर्ट से पे ा करनाः—	
(1) ऐस्टीमेट्स कमेटी की 20वी रिपोर्ट	(11)26
(2) कमेटी औन दि वैलफेयर औफ भाड्यूल्ड कास्ट्स एण्ड भाड्यल्ड ट्राइब्ज की 13 वीं रिपोर्ट	(11)26
(3) कमेटी औन सुबौडिनेट लैजिस्ले ान की 19 वीं रिपोर्ट	(11)26
(4) कमेटी औन गवर्नमैंट अ योरैंसिज की 19 वीं रिपोर्ट	(11)26
बिल :—	
दि हयिाणा ऐप्रोप्रिए ान (नं0 2) बिल, 1988	(11)27

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 30 मार्च, 1988

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान अब सवाल होंगे।

Opening of Government Degree College at Taraori

*** 153, Shri Jai Singh Rana:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open Government Degree Collage at Taraori in Nilokheri Constituency; and

(b) if so, the time by which the said Collage is likely to be opened?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमद):

(क) नही जी।

(ख) प्र न उत्पन्न नहीं होता।

श्री जय सिंह राना : अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन्होने में सवाल का जवाब जो नही में दिया है, इसके क्या कारण है?

श्री खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जिस जगह के लिए कालेज मांगा है वहां से हमारे पास ऐसी कोई डिमांड नहीं आई है। कम्यूनिटी की और से भी इन्फ्रास्ट्रक्चर मुहैया करने के बारे में नही कहा गया है कि हम जमीन दे देंगे या बिल्डिग बना कर देंगे या कंट्रब्यू ान करके दे देंगे। इस प्रकार की उस कालेज के लिए हमारे पास कोई प्रपोजल नहीं आई है।

श्री जय सिंह रानाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यदि उस कालेज को खेलने के लिए वहां की जनता की और से जमीन दे दी जाए तो क्या सरकार वहां पर कालेज खेलने के बारे में विचार करेगी?

श्री खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, यदि कही से भी जनताकी और से यह प्रपोजल आती है कि वे हमें जमीन दे देंगे या बिल्डिग बना कर दे देंगे अथवा कंट्रीब्यू ान दे देंगे, तो उन सारी प्रपोजलज को हर तरह से देख करके गवर्नमैट मैरिट पर फैसला लेती है कि आया उस इलाके में कालेज खोला जाए या नहीं इसके अलावा यह भी देखा जाता है कि क्या वाकई में वहां

पर कालेज की कमी है और दूसरा कालेज उस एरिया से कितीन दूरी पर है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब मंत्री जी ने मेन सवाल का जवाब नहीं में दिया है और यह कहा है कि वहां की जनता की और से कालेज की डिमांड नहीं है। मै जो सवाल पूछना चाहूंगा वह फरीदाबाद जिले से संबंध रखता है। फरीदाबाद में पिछले 10–12 साल पहले एक प्राइवेट कालेज को बन्द कर दिया गया।था और उसको दो वर्श गर्ज्ल विंग से कन्वर्ट कर दिया गया है। मै मंत्री जी से जानना चाहत हूं कि क्या सरकार उस एरिया की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उस कालेज को फुलफलैज्ड करने की व्यवस्था करेगी?

श्री खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य इस बारे में अलग से लिख करके दे दें, हम उसको मैरिट पर कंसिडर करके जो भी कार्यवाही होगी वह करेंगे।

श्री जय सिंह रानाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि करनाल जिले में भाहरों में कितने कालेज है और देहात में कितने कालेज है?

श्री खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जिला करनाल के सारे कालेजों के बारे में जानना चाहा है, मैं इनको बता देता हूं। डी0ए0वी0 कालेज, करनाल, तरावंड़ी से 15 किलोमीटर है। आर्य कालेज, उपानीपत, तरावड़से 52 किलोमीटर

है। गुरू नानक खालसा कालेज, करनाल, तरावड़ी से 15 किलोमीटर है। एस0डी0 कालेज, पानीपत तरावड़ी से 52 किलोमीटर है दयाल सिंह कालेज करनाल, तरावड़ी से 15 किलोमीटर है। गांधी आर्द ा कालेज सम्भालखा, तरावड़ी से 70 किलोमीटर है। गर्वनमैंट कालेज, घरोंड़ तरवाड़ी से 35 किलोमीटर है। गवर्नमैंट कालेज, करनाल, तरावड़ी से 15 किलोमीटर है। डी0ए0वी0 गर्ल्ज कालेज करनाल यह भी तरावड़ी से 15 किलोमीटर हैं। डी0 ए0 वी0 कालेज आफ गर्ल्ज एजुके ान करनाल, यह भी तरावड़ी से 15 किलोमीअर हैं।

डा0 बृज मोहनः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस साल हरियाणा प्रदे ा में गवर्नमैंट कालेजिज खेलने का सरकार को कोई विचार है?

श्री खुर ाीद अहमदः स्पीकर साहब, अभी इस बारे में कोई विचार नहीं है।

चौधरी जय नारायण खुण्डियाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या रोहतक जिले में कोई डिग्री कालेज खोलने का सरकार का विचार है?

Mr. Speaker: It is not possible for the Hon. Minister to assure you at the moment.

Construction/Completion of S.Y.I. Canal

***416. Shri Ranjit Singh:** Will the Minister for Irriagtion and Power be pleased to state-

(a) whether the Government is a war of the fact that the construction of S.Y.I. Canal in the Punjab Territory has been stopped at certain place; if so, the details therof;

(b) the total number of barrages to be constructed for the said canal togetherwith the number out of them which have been completed upto 29th February 1988, and the number of them lying incomplete;

(c) the total number of road/rail bridges to be constructed on the said canal togetherwith the number out of them completed upto 29th February, 1988 and the number of them lying incomplete;

(d) the steps, if any, taken or proposed to be taken for the completion of the barrages and road/rail bridges lying incomplete, as referred to in parts (b) and (c) above togetherwith the time by which these are likely to be completed; and

(e) the time by which the said canal is likely to be completed?

Irriagtion & Power Minister (Shri Verender Singh):

(a) Yes, at Sirsa aqueduct.

(b,c & d) No barrage is to be constructed. Of the 75 bridges, 24 have been constructed up to 29288. the remaining 51 bridges are at different stages of construction and

according to present indications from the Government of Punjab, are expected to be completed from March to October, 1988, For early completion of the remaining works including bridges, progress is monitored periodically in the review meetings taken by Government of India in which both Punjab and Haryana are represented. Besides, the matter is also being followed up with the Prime Minister at Chief Minister's level.

(e) The completion of the canal is likely to spill beyond October, 1988 because of Sirsa aqueduct.

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अभी जी ने अपने जवाब में बताया है कि एस0वाई0एल0 नहर जो बनाई जा रही है इस पर 24 पुल तो बन कर तैयार हो चुके है और 51 पुलों का काम अभी भिन्न–भिन्न स्टेजों पर चल रहा है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि निर्माणाधीन पुल कब तक बनकर तैयार हो जायेग?

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोद, पंजाब गवर्नमैंट की तरफ से इस काम की कम्पली ान के लिए जो ओरिजिनल ि ाड्यूलिंग है वह जून, 1988 तक है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, इस नहर के निर्माण में हरियाणा की जनता का बड़ा सीधा सम्बंध है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि गवर्नमैंट आफ इण्डिया ने पंजाब और हरियाणा सरकारों के साथ बैठक करके इस नहर को कब तक तैयार हो जाने की तिथि नि ि चत की थी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस नहर का उद्घाटन लेट प्राइस मिनिस्टर श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने 8 अप्रैल 1982 को किया था। उस समय इस नहर को कम्पलीट करने की मियाद 2 साल की रखी गई थी, परन्तु उस दौरान एक इंच भी नहर नहीं बनी। उस उद्घाटन के बारे में इनको भी पता है और दूसरे साथियों को भी पता है कि मई, 1982 में चुनाव होने वाले थे, इसलिए इस नहर की खुदाई का उद्घाटन अप्रैल में किया गया था ताकि हरियाणा प्रान्त की जनता ाकि गुमराह किया जा सके। परन्तु यहा की जनता गुमराह नहीं हुई। स्पीकर साहब, आपको पता है कि उस समय भी कांग्रेस हरियाणा में हार गई थी। तपासे साहब गवर्नर के रूप में यहां बैठे हुए थे, उन्होंने जो डैमाक्रेसी की हत्या की वह जग जाहिर है। उसके बाद राजीव लौगोवाल एकोर्ड 24 जुलाई, 1985 हो हुआ। उस एकोर्ड में इस नहर की खुदाई पूरी करने की तिथि 15 अगस्त, 1986 रखी गई थी। उसके बाद इस तिथि को बढ़कार 31—12—87 का टारगेट रखा गया और फिर 31—3—1988 की तिथि निि चत की गई लेकिन नहर अभी तक भी कम्पलीट नही हुई है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया है कि नहर की खुदाई की कम्पली ान की जो भी तारीख निि चत की गई उस तारीख तक किन्ही कारणों से नहर की खुदाई पूरी नही हो पाई है। स्पीकर साहब, यह बात तो ठीक है कि नहर की खुदाई के लिए हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी

समय–समय पर भारत सरकार से आग्रह करते रहे है और हमारी पार्टी भी इस नहर को जल्दी कम्पलीट करने के लिए आग्रह करती रही है लेकिन मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी के बार–2 आग्रह करने पर और हमारे द्वारा मांग किए जाने पर कि भारत सरकार इस नहर की खुदाई का काम अपने हाथ में ले, क्या भारत सरकार ने कुछ लिख कर भी दिया है कि इस अवधि तक इस नहर की खुदाई कम्पलीअ कर दी जायेगी या और कोई लेटैस्ट बात हरियाणा सरकार की भारत सरकार से हुई है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदयः मौजूदा सरकार बनने के पश्चात की नहर को फौरी तौर पर कम्पलीट करने के लिए हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। स्वय मुख्य मन्त्री जी एक बार इस नहर को देखने के लिए गए थे कि कितना काम हो चुका हे और कितना बाकी है। दूसरी बार मुख्य मंत्री जी ने मुझे और उप मुख्य मंत्री जी को भेजा और तीसरी बार फिर मुख्य मंत्री जी ने मुझे और बाबूमूलच्द जैन, जो हमारे प्लानिंग बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन हे, भेजा कि देख कर आओ कि कितना काम हो चुका है औरकितना काम पूरा होना रहता है। मुख्य मंत्री जी स्वयं इस बारे में प्रधान मंत्री जी से भी मिले। इसके अलावा प्रधान मंत्री जी ने जितनी भी मीटिंग की चाहे वे एन0 डी0 सी0 की थी, या एग्रीकल्चरल प्रोडयूस बढ़ाने के सम्बन्ध में थी यानी जिस मीटिंग को भी प्रधान मंत्री जी प्रिजाइड करते थे, हर समय पर हमारे मुख्य मंत्री जी ने इस नहर का मसला प्रधान मंत्री जी के साथ उठाया। इसके

अलावा प्राईवेट मुलाकातों के दौरान भी प्रधान मंत्री को याद दिलाते रहे कि आपने पलवल में पब्लिक मीटिंग में कमिट किया हुआ है कि इस नहर को किसी सैन्ट्रल एजेन्सी से पूरा करवाया जायेगा।

यह सुझाव भी प्रधान मंत्री जी को दिया कि बी0बी0एम0बी0 में बी0सी0बी0 का कंस्ट्रक ान विंग है। उसका इनफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। वह आपकी एजेन्सी है और उसके चेयरमैन सविंग जनरल हे। आप बी0सी0बी0 को यह काम दे दें जो वहां पर मौजूद हे। लेकिन बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता। है कि प्रधान मंत्री पब्लिक में की गई कमिटमैंट को पूरा करने के लिए तैयार नहीं हुए।

श्री रणजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि एस0बाई0 एल0 नहर कम्पलीट होने के बाद पूरा पानी आयेगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः रावी व्यास के पानी का फैसला इराडी ट्रिब्यूनल ने करना है। ट्रिव्यूनल की सीटिंग जारी हे। एवार्ड दे दिया है लेकिन अभी फाइनल फैसला नहीं हुआ है। उस एवार्ड के तहत हरियाणा प्रानत को 3.83 मिलियन एकड़ फीट पानी दिया गया है। गवर्नर एड्रस में ीाी आया और मुख्य मंत्री जी ने भी बार–बार ब्यान दिया गया है। इस हद तक तो हमें मंजूर है कि इराडी ट्रिब्यूनल ने हमारा राइपेरियन हक मंजूर कर लिया है

लेकिन पानी का क्वांटम जो हमें दिया गया वह एउीक्वेट नहीं हैं उसके बारे में हमने कुछ स्टेटमैंटस भी फाइल की हैं पीछे 26 मार्च उसकी तारीख थी जिसको दो मई के लिए एडजर्न कर दिया गया। श्री रणजीत सिंह ने पूछा है कि एस0वाई0एल0 की कम्पली ान के बाद हम कुल पानी कब ले सकेंगे? स्पीकर साहब, इस बारे में अर्ज यह है कि वह तभी पौसीबल होगा जब टोटल पानी हम हारनैस कर पाऐगे। अभ ऐसा पानी भी है जो हारनैस कर पाऐंगे। अभी ऐसा पानी भी हे जो हारनैस नहीं हुआ है।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने फरमाया है कि 8 अप्रैल 1982 को लेट प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने इसकी नींव रखी थी। इस बात की जानकारी सारे दे ा को है। उस समय यह वायदा किया था कि 15 अगस्त, 1986 तक नहर पूरी हो जायेगी लेकिन फिर कहने लगे कि 31–12–1987 तक पूरी हो जायेगी फिर उस तारीख को भी बदल दिया और 31 मार्च, 1988 तक पूरा करने का वायदा किया गया। वह दिन भी कल पूरा हो जायेगा। मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानता चाहता हूं कि एस0वाई0एल0 की खुदाई का पहले कितना ऐस्टीमेट लगाया गया और अब डिले होने से ऐस्टीमेट में कितना फर्क पड़ा है। दूसरे उसकी डिले के क्या कारण है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः सन् 1976 में जब श्रीमती इन्दिरा गांधी ने पानी का बंटवारा किया, उस समय पंजाब पो ान में खुदाई का

ऐस्टीमेट 45 करोड़ का था लेकिन अब यह बढ़ कर 366 करोड़ रूपए का हो गया है।

श्री रणसिंह मानः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सिरसा साईफन को बनाने मे क्या–क्या बाधायें है और उन्हें दूर करने के क्या उपाय किये गये हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सिरसा ऐक्वीडक्ट का काम पंजाब ने एक प्राईवेट कन्ट्रैक्टर को लगभग 6 करोड़ में दिया था। कन्ट्रैक्टर और पंजाब सरकार का आपस में कोई झगड़ा हो गया । कन्ट्रैक्टर ने क्लेम डाल दिया कि 12 करोड़ रूपया पंजाब सरकार से लेना है। आबिट्रेटर के सामने क्लेम गया तो उसने एवार्ड दे दिया लेकिन भार्म की बात यह है कि जो एवार्ड दिया गया था उसमें अमाउन्ट मैत् ान नहीं किया। जब कोर्ट में गये तो कोर्ट ने उसे रूल आफ दि कोर्ट बना दिया।

पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट में यह दावा कर दिया कि रूल ऑफ दि कोर्ट गलत है और आबिट्रैटर का एवार्ड भी गलत है। इस तरह से सरकार की नीति में डिले टैक्टिस नजर आती है। इस समस्या के समाधान के लिए मुख्य मंत्री जी चार–पांच दिन पहले केन्द्रीय सरकार के वाटर रिसोसिज मंत्री राजा दिने ा सिंह जी से मिले है औरा उनसे इस बारे विचार–विम र्ा किया है। इस मामले के महत्व को मद्दे नजर रखते हुए यह सरकार जितनी

कोि ा ा कर सकती है वह कर रही है ताकि जल्दी से जल्दी यह काम पूर्ण हो।

चौधरी तैयब हुसैन : अध्यक्ष महोदय, मै, आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस प्रोजैक्ट का सारा खर्चा केन्द्रीय सरकार ने अपने जिम्मे ले लिया है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : जी हां, इस प्रोजैक्ट का सारा खर्चा सैंटर की गवर्नमैंट ने अपने जिम्मे ले लिया है लेकिन जो 110 करोड़ रूपये की रा ि ा हम खर्च कर चुके है उसमें से सिर्फ 34–35 करोड़ रूपये की रा ि ा हमें वापिस मिली हैं यदि बाकी की रा ि ा आप केन्द्र से हमें वापिस दिलवा दे तो आपकी बड़ी मेहरबानी होगी।

श्री रणजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि इस प्रोजैक्ट के लिए केनद्र सरकार ने जो पैसा मंजूर किया है, क्या वह मिल रहा है या नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः पैसे की कोई प्रोब्लम नहीं है, वह मिल रहा है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर सर, मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि आर्बिट्रेटर ने जो एवार्ड दिया, कोर्ट ने उसे रूल आफ दि कोर्ट मान लिया और इनकी राय में ये डिलेइंग टैक्टिस है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इन डिलेइंग टैक्टिस को अनडूय करने के लिए क्या पग उठाए गए है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैंने इस बारे पहले ही बताया है कि 4–5 दिन पहले मुख्या मन्त्री महोदय वाटर रिसोर्जिज मंत्री राजा दिने ा हिंस से मिले है ताकि यह प्रोजैक्ट यथा ाीघ्र पूर्ण हो सके। इसके अलावा जो प्रयत्न हम कर सकते हैं वह कर रहे है। सारी बातें खोलकर बताया पब्लिक इन्ट्रैस्ट में नहीं है।

श्री लछमन सिंह कम्बोजः अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पहले कांग्रेस सरकार हरियाणा के लोगों को पंजाब में जहां नहर का काम चल रहा था वहां नहर दिखाने के लिए ले गई थी। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या वहां पर कोई गोली चलने की वारदात भी हुई थी, और यदि हुई हुई थी तो कब हुई थी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : उस समय पंजाब में इस प्रकार की गोली चलने की वारदात मेंरी जानकारी में नहीं है।

श्री हजार चन्द : अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी के नोटिस में यह बात है कि एस0वाई0एल0 नहर के निर्माण में जो सामग्री इस्तेमाल की जा रही है, वह ठीक मात्रा में इस्तेमाल की जा रही है या नहीं? यदि सामग्री सही मात्रा में इस्तेमाल नहीं हो रही है तो वे क्या पग उठा रहे है? यदि मंत्री जी को जानकारी नहीं है तो क्या इस बारे वे कोई कार्यवाही करेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सामग्री का कम मात्रा में इस्तेमाल किया जाना या सब–स्टैण्डर्ड माल लगाए जाने की कोई बात मेरे नोटिस में नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, सभी को आ ाा है कि रावी–व्यास का पानी एस0वाई0एल0 नहर के कम्पलीट होने पर हरियाणा को मिलेगा। इस नहर के जरिये जो पानी हमें मिलना है, उसका काफी हिस इस समय पाकिस्तान जा रहा है और थीन डैम बनने तक यह पानी पाकिस्तान जाता रहेगा। थीन डैम बनाने का टारगेट 1995 तक रखा गया है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या एस0वाई0एल0 नहर से थीन डैम बनने से पहले पूरा पानी हरियाणा को उपलब्ध हो सकेगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी रणजीत सिंह के सवाल के जवाब में मैंने पहले ही बता दिया है कि जब तक हम सारा पानी हारनैस नही कर पाते, तब तक हमें पूरापानी नहीं मिल पाएगा। थीन डैम का निर्माण केन्द्रीय सरकार और पंजाब सरकार मिल कर करवा रही है। थीन डैम की जो प्रोग्रेस चल रही है, अध्यक्ष महोदय, उसमें हरियाणा सरकार क्या कर सकती है?

श्री जगपाल सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, मंत्री जी द्वारा दिए गए 'ई' पार्ट के जवाब को देखते हुए मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह सूचना पंजाब के इंजिनियर्ज ने दी है या हरियाणा के इंजिनियर्ज ने दी है। अगर पंजब के इंजिनियर्ज ने दी है तो क्या

मंत्री जी हरियाणा के इंजिनियर्ज को कन्फीडै ायली भेज कर पता करवाएंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यदि सिरसा एक्वीडक्ट पर कोई कन्ट्रैक्टर अक्तूबर, 1988 से भी ज्यादा टाइम लग सकता है।

श्री हरनाम सिंह : स्पीकर साहब, जैसे इन्होंने बताया कि थीन डैम से भी पानी मिलेगा। उसको छोड़ कर जो पानी अबेलेबल हे उसमें हमारा कितनार हिस्सा बनता हैं? एस0वाइ0एल0 नहर बनने के बाद कितना हिस्सा रहेगा और थीन डैम बनने के बाद कितना रहेगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस समय हमें प्वाइंट 8 एम0ए0एफ0 पानी मौजूद कैनाल सिस्टम के थ्रू मिल रहा है । थीन डैम बनने के बाद तो पूरा ही पानी मिलेगा लेकिन उस से पहले कितना पानी मिलेगा वह इराडी ट्रिब्यूनल के एवार्ड पर डिपैंड करता है।

श्री सीता राम सिंगलाः स्पीकर साहब, ट्रिब्यूनल ने हमारे राइपरियन राइट को मान लियाह हैै मंत्री जी समझा दे ं कि राइपेरियन राइट क्या होता है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः यह मैं इनको चैम्बर में समझाऊंगा।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बताया कि इस समय हमें अवेलेबल पानी में से प्वायंट 8 एम0ए0एफ0 पानी मिल रहा है। इसका मतलब है कि जो बाकी पानी मिलेगा वह थीन डैम की कम्पली ान के साथ जुड़ा हुआ है। मैं जानना चाहता हूं कि बाकी का पानी थीन डैम बनने के बाद मिलेगा या एस0वाई0एल0 कम्पलीट होने के बाद मिलेगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जवाब तो मैं दे रहा हूं परनतु उस सीट पर जो दोनों माननीय सदस्य बैठे है ये वे लोग है जिन्होंने पंजाब एकोर्ड का समर्थन किया था (ोम भोम की आवाजें) इस बात से यह जाहिर हो रहा है कि इन लोगों को हरियाणा के हितों से कितना प्रेम है। दरअसल इनको हरियाणा की धरती से प्यार नहीं है। इनको तो आदे ा कही और से आते है, हिन्दुस्तान से भी नहीं आतें कहीं और से ही आते है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः अगला सवाल, राव राम नारायण।

Construction of Road connecting Bithla with Amoli.

***134. Rao Ram Narain:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state -

(a) whether it is a fact that the road connecting village Bithla with village Amoli in Salhawas Constituency in District Rohtak was sanctioned during the year 1979;

(b) if so, whether the work for the construction of said road has been started : and

(c) if not, the reasons therefor togetherwith the time by which the work for the construction of the said road is likely to be started and completed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री ओम प्रका ा भारद्वाज):

(क) साल्हावास चुनाव क्षेत्र में गांव बिठलासे गांव अमोली को जोड़ने वाली सड़क अभी तक मंजूर नहीं हुई है।

(ख) तथा (ग) उपरोक्त (क) के दृश्टिगत, प्र न उत्पन्न नहीं होता।

श्री ओम प्रका ा भारद्वाजः स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को जानकारी देना चाहता हूँ कि अब जो साल्हावास क्षेत्र में काम चल रहा है वह 5 सड़कों पर चल रहा है। उसका टोटल एस्टीमेट 34–43 लाख रूपये का है। उन 5 सड़कों के नाम, जिन पर काम चल रहा है, ये है: बावा से बिसवा, मातनहेल से निमली, खारा से मकरानी, जलखेड़ी नागम से बालधन की ढाणी और रतनथल से हंसावास। इन सड़कों पर 31–1–1988 तक 1795 लाख रूपया खर्च हो चुका है।

श्री जगपाल सिंह चौधरी : अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बतायेगें कि जो हरेक गांव में सिंगल रोड लिक्स बनने

है, वह कब तक देने का टारगैट है और वह कब तक पूरे हो जायेगे?

श्री ओम प्रका ा भारद्वाजः स्पीकर साहब, जो 1981 की सैन्सस कै मुताबिक डायरेक्टरी विलेजिज है, उन के लिए एक काइटेरिया रखा गया था कि जो गांव मैदानी इलाकों में है, जिनकी आबादी 250 या उससे ज्यादा हैऔर जो गांव हिल्ली इलाकों में है, जिनकी आबादी 150 या इससे ज्यादा हे, उनको सिंगल लिक रोड़ज से जोड़ा जाएगा।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोद, मंत्री जी ने अपने जवाब में यह बताया है कि प्र न उत्पन्न नहीं होता। यही मंत्री जी ही नही, जिस मंत्री जी से ीाी कोई सवाल किया जाता है, वह यही जवाब देता है कि प्र न ही उत्पन्न नही होता।

श्री अध्यक्षः आप सवाल करिये।

श्री भागी रामः मै सवाल ही पूछने लग रहा हूं। जब एक सवाल में दोनों गांव लिखे हुए हैं, उनके नाम लिखे हुए है तो सवाल ही पैदा न होने का क्या कारण है। मन्त्री जी यह बतायें कि कब वहां पर सड़क बनेगी, भी या नहीं बनेगी। इसका तो मतलब यह हुआ कि कभी बनेगी ही नहीं। थोड़ा सा स्पश्टीकरण करें किि वह मंजूर नहीं हुई हे तो कब तक मंजूर हो जायेगी और कब तक बन जायेगी?

श्री ओम प्रका ा भारद्वाजः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जानना चाहा है कि इस का प्र न ही उत्पन्न कैसे नहीं होता। इसका प्र न इसलिये उत्पन्न नहीं होता क्योंकि जिस सड़क की मांग की गयी है, जब तक सरकार उसकी मंजूरी नहीं दे देती, तब तक वह सड़क बनने का प्र न ही उत्पन्न नहीं होता ।

श्री मांगे रामः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिला रोहतक में हसनगढ़ से लेकर खुरमपुरा की सड़क कब तक बना दी जायेगी? (ाोर व व्यवधान)।

Mr. Speaker: It does not arise out of the main question. It is not possible for the Minister to reply every question of hand.

Development of Aleva Mandi.

***140. Shri Durga Dutt Attri:** Will the Minister of State for Agriculture be pleased to state-

(a) whether ther is any proposal under consideration of the Government to develop to seasonal Mandi at village Aleva in District Jind as full fledged Mandi; and

(b) if so, the time by which the said proposal is likely to mature?

कृशि राज्य मंत्री (श्री बलवीर सिंह):

(क तथा ख) जबकि गांव अलेवा में खरीद केन्द्र को मुख्य मण्डी प्रांगण विकसित किए जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है,

फिर भी सरकार इसे मौसमी उप–मण्डी प्रांगण में उन्नत करने के लिए पहले ही अधिसूचित किया जा चुका हैं।

श्री दुर्गा दत्त अत्तीः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगें कि (10.00 बजे) इस मण्डी को उन्नत करने के लिए कुछ राि ा भी निर्धारित की गई है यदि हां, तो इसका निर्माण कब तक भारू कर दिया जाएगा?

श्री बलबीर सिंह : स्पीकर साहब, सब–मार्किट–यार्ड के लिए हमने 29 लाख 25 हजार रूपए की राि ा निर्धारित की है और यह मण्डी दो तीन साल में मुकम्मल हो जाएगी।

श्री दुर्गादत्त अत्ती (श्रीमती सुशमा स्वराज): अध्यक्ष महोदय, यह सवाल मेरे विभाग से भी सम्बन्धित है। कृशि मन्त्रालय के पास फूड एंड सप्लाई मिनिस्टर पहले परचेज सैन्टर की डिमाण्ड भेजता है और तब ऐग्रीकलचर मिनिस्टर ऐग्रीक्लचरल मार्किटिग बोर्ड को लिखता है। जिन मंडियों का जिक भाई दुर्गा दत्त अत्ती ने किया है उन परचेज सैन्टर्ज की मांग हमारे पास आई है। परचेज सैन्टर बनाने का काईटेरिया यह है कि मण्डी में 1500 टन की आमद होनी चाहिए और दस किलोमीटर का फासला पुराने परचेज सैन्टर और नए परचेज सैन्टर में होना चाहिए। दोनों काईटेरियाज जहां पूरे होते है, वहां परचेज सैन्टर्ज बनाने के लिए हम ऐग्रीक्लचर मिनिस्ट्री को लिखते है। जिन मण्डियों की बात इन्होने की है, वह मांग मेंरे पास आई है और उन में से काफी

मण्डियां इस आमद को पूरा करती है। इम ऐग्रीक्लचर मिनतिस्ट्री को लिख रहे है। उसके बाद भाई बलबीर सिं ऐग्रीक्लचर मार्किटिग बोर्ड को लिखेगे और वह बनाएगा।

Type of Tariff Charged by H.S.E.B.

*** 234 Shri Raghu Yadav:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the type of tariff charged by the Haryana State Electricty Board from dev mandirs, Public Libraries, Charitable Hospitals, Dharamshalas etc., separately, in the State; and

(b) if the said tariff is not charged on domestic basis, the reasons therefor?

Irrigation & Power Minister (Shri Verender Singh): (a) & (b) Commercial tariff is chargeable from such institutions which do not qualify for the doestic tariff which is charged in case of private residential house and hostels of educational institutions.

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि दान और चंदे से चलने वाले देवमन्दिर, सर्वाजनिक पुस्तकालय, धर्मार्थ औ ाधालय तथा धर्म ााला व्यवसायिक संस्था है? अगर नहीं तो इन संस्थाग्रों से व्यवसायिक दरों की बजाय घरेलू दरों पर या उससे भी कम, रियसयती दरों पर बिजली के बिल चार्ज करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, डोमैस्टिक चार्जिज उन जगहों से लिए जाते है जहॉ लोगों की रिहाय ा है। धर्म ाालाओं में लोग आकर ठहरते है तो एक रूपया दो रूपए या तीन रूपए कमरे के चार्ज किए जाते है That becomes a sort of commercial institution.

श्री रघु यादव : अध्यक्ष महोदय, सार्वजनिक पुस्तकालय, धर्मार्थ औशधालय और मन्दिर आदि कोई व्यवसायिक संस्था नहीं है। क्या मन्त्री महोदय इनसे डोमैस्टिक रेट पर बिजली के बिल चार्ज करने पर विचार करेगें?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, फिलहाल कोई विचार नही है।

श्री देवी दासः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार होस्टलों इत्यादि से भी डोमैस्टिक बिजली के चार्जिज जेने का कोई विचार रखती है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, होस्टलों से तो डोमैस्टिक चार्ज ही किया जाता है।

श्री जगपाल सिंह चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय से अभी बताया कि हरिजन चौपालों से कमर्ि ायल रेट्स न लेने पर गौर करेंगे, तो मेरी प्रर्थाना हे कि क्या मन्दिरो से भी नौन कमर्ि ायल रेट्स चार्ज करने का सरकार का कोई विचार है?

श्री विरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मन्दिरों में से बहुत सारा चढ़ावा आता है। इसलिये वहां के लिये ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

Indira Gandhi Government College Tohana.

***205 Comrade Harpal Singh:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to start Science, Commerce and Geography Classes in Indira Gandhi Government College, Tohana and also to provide playground to the said college; and

(b) if so, the time by which the said proposal is likely to materialise?

ि ाक्षा मंत्री (श्री खुर ीद अहमद):

(ए) इन्दिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय टोहाना में वाणिज्य एवं भूगोल की कक्षाएं आरम्भ करने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है। इस महाविद्यालय में विज्ञान प्रयोग ाला के बनने पर विज्ञान की कक्षाएं आरम्भ की जायेगी। खेलकूद के मैदान के लिये अतिरिक्त भूमि लेने के लिये आवश्यक पग उठये जा रहें है।

(बी) वर्श 1989–90 के भौक्षिक सत्र से साईंस विशय की कक्षाएं आरम्भ करने की सम्भावना है और खेलकूद के मैदान की व्यवस्था भी उस समय तक होने की सम्भावना है।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हिसार, टोनाना से लगभग 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वहां पर ऐजुके ान सैन्टर हे। वहां लड़के लड़कियों को आने जाने में काफी असुविधा होती है। वहां पर लड़कियों के रहने के लिये कोई होस्टल भी नहीं है। 10 सालों से यही स्थिति चली आ रही है। वहां कालेज की बिल्डिंग की कंस्ट्रक ान के लिए हमने पैसा इक्ट्ठा किया है ओर सरकार ने भी मैचिग ग्रान्ट दी है। मन्त्री महोदय ने अपने उत्तर में बताया है कि 1989–90 के भौक्षिक सत्र से साईस वि ाय की क्लाजि भुरू होने की सम्भावना है। विल्डिंग तो इनके पास है नहीं, तो फिर यह साईस क्लासिज कैसे भुरू कर पाएंगे? इस बारे में अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार का वहां कालेज की बिल्डिंग व साईस लैबोरेटरी जल्दी बनाने का विचार है यदि हां तो क्या इसके लिए प्लान वगैरह भी पास करवाए गए हे कि नहीं?

श्री खुर ीद अहमदः स्पीकर साहब, इस समय वहां पर चार कमरे है। नक ाा और डिजाइन बन चुका है और वहां पर काम भी भुरू हो गया है।

श्री भगवान साहब रावतः अध्यक्ष महोदय, क्या हरियाणा राज्य से सरकार के पास किसी कालेज की और से साईस क्लासिज भुरू करने की कोई मांग आई है, अगर कोई ऐसी मोंग सरकार के पास आई है तो क्या होडल के अन्दर भी इस नए सूत्र से साईस क्लासिज आरम्भ करने का सरकार का कोई विचार है?

श्री खुर ीद अहमदः अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में सभी कालेजों ं प्रिसिपल्ज हर साल अपनी सिफारि ों भेजते रहते है और जिन–जिन जगहों पर आव यकता होती है वहां पर हम क्लासिज भ ुरू कर देते हैं। होडल फरीदाबाद जिला में पड़ता है और यह सवाल टोहाना से ताल्लुक रखता है। लेकिन फिर भी अगर होडल कालेज से इस तरह की कोई सिफारि ा आएगी तो उसको हम देख लेगें।

Attack by Extremists In Ambala City

***286 Shri Mangal Sein:** Will the Minister for Home be pleased to state.-

(a) whether any persons were injured allegedly by the extremists in Ambala City and the month of Jaunary, 1988; if so, the names thereo ; and

(b) Whether any of the etremists involved in the said incident have been arrested: if not, the steps , if any, taken by the Police toarrest them?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(ए) जी हां जैसे हम सभी को पता है कि अम्बाला से माननीय सदसरू श्री ि ाव प्रसाद घयल हुए थे तथा उनका नौकर हरो बहादुर मारा गया था।

(बी) नहीं। इस केस में अनुसंधान के लिए पुलिस अधीक्षक आप्रे ान की देखरेख में एक वि ोश स्टाफ गठित किया

गा है। अपराध की तह तक पहंचने के लिए भरसक प्रयत्न किए जा रहे है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जिस जगह पर मेरे मित्र ि ाव प्रसाद जी घायल हुए थे उससे पुलिस चौकी कितनी दूरी पर थी? क्या उस पुलिस चौकी में इस बारे में किसी ने समाचार दिया, अगर दिया तो क्या कार्यवाही की गई?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने इस बारे में गजों में तो पैमाइ ा नही की हुई है कि वह जगह पुलिस चौकी से कितनी दूरी पर है लेकिन कोई ज्यादा फासला नहीं है, पुलिस चौकी उस जगह के नजदीक ही है। इस बारे में ज्यों ही पुलिस को इत्तलाह मिली, उन्होंने बाकायदा अपनी तरफ से अन उग्रवादियों को पकड़ने के लिए पूरी कोि ा ा की। मै सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि इस बारे में अब भी पुलिस ने कई दल बनाए हुए है। बाकायदा ऐक्सट्रीमिस्टस के हाईड आउटस पर छापे मारे जा रहे है। मै लदन को यह भरोसा दिलाता हैं कि उन उग्रवादियों को जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि मैंने वह जगह गजों में पैमाइ ा नही कर रखी, लिहाजा यह जरूर फरमाते है कि पुलिस चौकी उस जगह के नजदीक ही थी। इसके अलावा मंत्री जी ने यह भी कहा कि उग्रवादियों को पकड़ने के

लिए कोि ा ा जारी है। यह बहुत अच्छी बात है, यह होनी भी चाहिए। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि आतकवादी साईकल पर गए और पुलिस के पास जल्दी चलने वाले वाहन थे तो उनको पकड़ा क्यों नही गया?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, डाक्टर साहब की बात ठीक है कि पुलिस के पास तेज चलने वाले वाहन होते है लेकिन कई बार ऐसा होता है कि उग्रवादी ऐसा काम करके आबादी में इधर–उधर घुस जाते हैं। लेकिन मै सारे हाउस को यकीन दिलाता हूँ कि उन उग्रवादियों को जल्दी ही दबोचा जाएगा।

श्री जगपाल सिंह चौधरी : स्पीकर साहब, इन इन्सीडैटस के बाद एम0एल0एज0 को सिक्योरिटी गार्डज दिए गए है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या पंजाब के बार्डर के साथ–साथ लगती हुई कांस्टीचूयएसीज के एम0एल0एज0 को दो–दो गनमैन दिए जाएंगे क्योंकि जो एक गनमैंन दिया हे वह कई बार छुट्टी चला जाता हे।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, एम0एल0एज0 की ही नही बल्कि हरियाणा प्रदे ा के हर नागरिक की सुरक्षा करना सरकार की बाकायदा जिम्मेदारी है। जिस दिन मास्टर ि ाव प्र ाद जी के साथ इन्सीडैंट हुआ उसी दिन हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने फोरन यह आर्डर दिया था कि चाहे कोई बी0जे0पी0 का मैम्बर है, चाहे कोई कांग्रेस का मैम्बर है और चाहे

लोकदल का मैम्बर है, हर एम0एल0ए0 को गनमैन दे दिए जाएं। इसके अलावा हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने यह भी आर्डर दिए थे कि बी0जे0पी0 के सभी मैम्बर्ज को दो–दो गनमैन दिए है और बाकी सदस्यों को एक–एक गनमैन दिया हुआ है। जिन एम0एल0ए0 साहेबान ने अपने गनमैन वापिस कर दिए है। वह अलग बात है। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यदि किसी माननीय सदसय की और से दो गनमैन देने के बारे में कहा जाएगा तो दो गनमैन क्या जितने गनमैन वह चाहेगा, हम देंगे, क्योंकि सभी की हिफाजत करना इस सरकार की जिम्मेदारी है।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, अभी कुछ दिन पहले अखबारों में एक बहुत ही सनसनीपूर्ण खबर छपी थी। उस खबर से ऐसा लगता है कि केन्द्र सरकार की कोई ऐसी मं ाा है कि राजस्थान, हिमाचल प्रदे ा और जम्मू क मीर के सभी बोर्डर्ज को सील करके और उग्रवादियों को पंजाब से निकाल करके हरियाणा की तरफ उनका मुंह कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः कटारिया साहब आप सवाल पूछें।

श्री रत्न लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, मै सवाल ही पूछ रहा हूं कि अखबारों में यह खबर छपी है कि पंजाब के उग्रवादी हरियाणा के सीमावर्ती जिलों सिरसा, कुरूक्षेत्र और अम्बाला के इलाकों में घुसने की कोि ा ा कर रहे हैं। मैं यह

जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार इस बारे में कोई ठोस कदम उठा रहा है ताकि वे उन इलाकों में न घुसने पाएं?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, चाहे किसी को कैसी ही कोि ा ा हो ऐसी हरकते करने वाले को बख्भाा नही जाएगा। बाकायदा हरियाणा प्रदे ा के हर आदमी की हिफाजत होगी और ऐसे इन्सीडैट रीपीट नहीं होने दिए जाएंगे।

श्री कांति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, मन्त्री जी इस बात को स्पश्ट करें कि पंजाब के बर्डर के साथ–साथ लगती हुई तो कांस्टीच्यूएंसीज है उनके एम0एल0एज0 को दो–दो गनमैन दिए जाएगें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यदि कोई माननीय सदस्य खुद रिक्वैस्ट करेगे तो दो की बजाए अगर तीन गनमैन भी देने पड़ें, दिए जाएंगे क्योंकि उनकी हिफाजत करना सरकार की जिम्मेदारी है।

श्री हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मन्त्री जो ने कहा कि इस इन्सीडैट में जो हमलावार था उसको पकड़ लिया जाएगा। मै मंत्री जौ से जानना चाहता हूं कि क्या उस हमलावार की नि ाानदेही हो चुकी है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह बताना पब्लिक इन्ट्रैस्ट में नहीं है।

श्री कुन्दन लाल भाटिया : स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि आज से 15 दिन पहले फरीदाबाद में एक आदमी एक दुकारनदार पर गोली मारकर भाग गया उसकों ीाी पकड़ने के बारे में कार्यवाही चल रही हैं।

श्री अध्यक्षः सवाल अम्बाला जिले के बारे में है। सारे हरियाणा के बारे में मंत्री जी को कैसे याद हो सकता है?

Weigh Bridge on Salarpur Road in Thanesar

***545. Shri Hari Singh:** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the building plan for weigh bridge on Salarpur Road in Thanesar was rejected by Muncipal Committee Thanesar in April, 1987;

(b) whether it is also a fact that the building plan for the said bridge has been sanctioned during the month of August, 1987; and

(c) if the reply to part (b) be in the affirmative, the grounds on which the said building plan has beensanctioned?

Mr. Speaker: This question has been postponed on the request of the Hon. Member undr Rule 51.

Construction of a Bridge over Yamuna River

***Shir Udai Bhan :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Governement to construct a bridge

(Dramon) over Yamuna River at Dhantari Ghat is District Faridabad?

लोक निर्माण मंत्री (श्री ओम प्रका ा भारद्वाज): जिला फरीदाबाद में यमुना नदी के धनतरी घाट पर ड्रामों का पुल बनाने का सरकार का कोई विचार नहीं है क्योंकि गांव भोहना के पास पहले एक ड्रामों का पुल है जोकि लगभग धनतरी घाट से 5 किलोमीटर की दूरी पर है।

श्री उदय भान : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि 2–11–1987 को हमारे मुख्य मंत्री महोदय छज्जू नगर में गए थे। मुख्य मंत्री जी के सामने जब लोगों ने इस पुल के बारे कें अपनी कठिनाई बताई तो मुख्य मंत्री जी ने जनता की परे ाानियों को ध्यान में रखते हुए इस पुल को बनवाने का आ वासन दिया था। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या इनको ंमुख्य मंत्री महोदय काआ वासन ध्यान में है?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): अध्यक्ष महोदय, यह ठीक बात है कि मैं उस गांव में गया था। मैंने यह कहा था कि इस पर जरूर गौर किया जायेगा। क्योंकि यह पुल यमुना नही पर बनता है इसलिए इसका संबंध सैन्टर से है। हम इस पुल को बनवाने के लिए सैन्टर से बात करेंगे।

श्री योगे ा चन्द भार्मा : अध्यक्ष महोदया, चुनावों से पहले मुख्य मंत्री जी सारेड़ा गांव में गए थे। उस समय मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि यदि हमारी सरकार सत्ता में आयेगी तो मैं

वहां पुल को बनवा दूंगा। मै जानना चाहता हूं कि क्या वहां पर पुल बना दिया जायेगा?

श्री अध्यक्षः सवाल में पूछे गए पुल के बनाने बारे उत्तर सी0एम0साहब की तरफ से आ चुका है। आप कृपया बैठिए।

Shri Yogesh Chand Sharma: Sir, my supplementary relates to this question.

Mr. Yogesh Chand Sharma: Sir, it is a very important and related question.

Mr. Speaker: It may be very important but it has no concern with the main question.

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोद, मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि जहां पर मैंने पुल बनाए जाने की मांग की है वह हरियाणा की सीमा में ही है, उससे उत्तर प्रदे ा सरकार का कोई सम्बन्ध नहीं है। यह हरियाणा सरकार का अपनाही मसला है। मै जानना चाहता हूं कि क्या इस पुल को बना दिया जायेगा?

चौधरी देवी लालः अध्यक्ष महोदय, यह पुल केन्द्र सरकार के ट्रांस्पोर्ट और ि ापिंग डिपार्टमैंट से संबंध रखता है। जब चान्द राम जी केन्द्र में ट्रांस्पोर्ट एण्ड ि ापिंग मिनिसटर थे तो उन्होंने भी इस पुल के बनाये जाने की कोि ा ा की थी। मैं इनहें बताना चाहता हूं कि इस बारे में हमारी सैन्टर से बातचीत हो रही है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद बहुत बड़ी इण्डस्ट्रीयल एस्टेट बन चुका है। फरीदाबाद के पास जमुना के साथ–साथ यू0पी0का क्षेत्र लगता है। वहां पर नोथ्डा से दनकौर तक का इलाका औद्योगिक क्षेत्र बनता जा रहा है। इस बारे में मैं आदणीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के विचाराधीन ऐसी कोई योजना है कि केन्द्र सरकार से बातचीत करके जमना नदी पर अधावली से दनकौर के बीच पुल बनाया जाए। इससे दोनों प्रदे ाों के आवागमन में ही सुविधा नहीं होगी बल्कि आर्थिक सुदृढ़ता भी प्रदान होगी। अगर ऐसी कोई योजना नहीं है तो क्या इसके लिए केन्द्रीय सरकार से हरियाणा सरकार कोई बातचीत करके ऐसी योजना बनायेगी जिसके लिए यू0पी0 सरकार भी इत्तफाक करती है।

चौधरी देवी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं यही जवाब दे रहा हूं कि भारत सरकार के साथ मिल कर इस पुल को बनाये जाने की कोि ा ा की जायेगी। मैं तैयब साहब से और इनसे उम्मीद करता हूं कि इस काम में भारत सरकार द्वारा जल्दी पग उठाने में ये हमारी मदद करेंगे ताकि यह पुल जल्दी से बन सके।

One-Way Traffic on National Highway No. 10 Sirsa

***365. Shri Hazar Chand:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whehter there is any scheme under consideration of the Government to provide one way-traffic on National Highway No.10 in the Municipal Committe

Area, Sirsa; if so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री ओम प्रका ा भारद्वाज): जी, नहीं।

श्री हजार चन्द: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को यह जानकारी होगी कि सिरसा की आबादी इस समय एक लाख से ज्यादा हो चुकी है। वहां ने ानल हाईवे पर कालेज और बस स्टैड साथ–साथ होने से आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। इस महीने के दौरान भी वहां पर अब तक दो ऐक्सीडेन्टस की वजह से दो लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा सरकार की कोई ऐसी योजना है कि हरियाणा के तमाम भाहरों में जहां से ने ानल हाईवे गुजरता है वहां पर बनवे ट्रैफिक की जाये?

श्री ओम प्रका ा भारद्वाज: स्पीकर साहब, यह नै ानल हाईवे चूंकि पहले ही चौड़ा है इसलिए वन–वे ट्रैफिक की जरूरत नहीं है फिर भी जैसे–जैसे पैसे के साधन होंगे इसको और चौड़ा करने का विचार कर लेंगे।

श्री बलबीर सिंह चौधरी: स्पीकर साहब, फतेहाबाद बहुत बड़ी अनाज मंडी है। अनाज मंडी से करोड़ों रूपया सड़कों के लिए मार्किट की वसूल होता है। कया वहां कोई बाई पास बनाने की स्कीम है। अगर नहीं है तो उनका क्या कारण है? **श्री ओम प्रका ा भारद्वाज:** इसके लिए सैपरेट नोटिस दीजिए।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, सड़कें बनाने का कार्य मुख्यतः तीन एजेन्सियां करती है, नगरपालिका, मार्किटिंग बोर्ड और पी0डब्ल्यू0डी0। जब सड़कों के बारे में मार्किटिंग बोर्ड से कहा जाता है तो वे कहते है कि हम मंडी के गेट से बाहर नहीं जा सकते। दूसरी तरफ म्युनिसिपल कमेंटी के पास फन्डज नहीं होते। इसलिए मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या इस बाने में कोई फैसला किया गया है कि कौन सी सड़क कौन बनायेगा?

श्री ओम प्रका ा भारद्वाजः जो स्टेट हाई–वे म्यूनिसिपल कमेंटी में से जाती है उनकी देख–रेख पी0डब्ल्यू0डी0 करती हे और वही बनाती है। दूसरे जो बीच के लिक रोड़ है या म्यूनिसिपल कमेटी की हदूद में कुछ सड़के पड़ती हैं, उनकी देख–रेख म्यूनिसिपल कमेंटी करती है।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, फरीदाबाद एक औद्योगिक क्षेत्र है। उस ाहर में आवागमन बहुत ज्यादा है। ट्रैफिक ज्यादा होने के कारण ऐक्सीडैन्टस भी बहुत होते हैं । क्या बदरपुर से बल्लभगढ़ तक नहर के साथ–साथ कोई बाई पास बनाने की योजना सरकार के विचाराधीन है।

श्री ओम प्रक ा भारद्वाजः इसके लिए सैपरेट नोटिस दे।

श्री जगपाल सिंह चौधरी: यमुनानगर से यू0पी0 को ने ानल हाई–वे जाती है। यह सबसे पुराना रोड है। वहां परसिंगल–वे ब्रिज हें क्या उसे डबल करने की योजना है?

श्री अध्यक्ष : इसका औफ हैंड जवाब देना पौसीबल नहीं है।

श्री भागी राम: स्पीकर साहब, हजार चन्द जी के सवाल के जवाब में इन्होंने माना है कि बस स्टैण्ड और कालेज की बिल्डिंगे आपने सामने है और इन्होंने यह भी माना है कि सड़क और चौड़ी करने पर विचार किया जाएगा। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इन बातों को मद्देनजर रखते हुएक्या इस सड़क को जल्दी ही वन–वे ट्रैफिक बनाने के आदे ा जारी करने की कृपा करेंगे? इस सड़क को न–वे बनाने की मन्जूरी भी इन्होंने देनी है और पैसा भी इन्होंने ही देना है।

श्री ओम प्रका ा भारद्वाज: इस सड़क को वन–वे बनाने पर विचार कर लिया जाएगा।

Power Sub-Station at Village Jeoli

***453. Shri Bhag Mal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether ther is any proposal under consideration of the Government to set-up a Power sub-station at Village Jeoli, Tehsil Naraingarh, District Ambala;

(b) if so, thecapacity thereof; and

(c) the time by which its construction is likely to be started and completed ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh):

(a) Yes.

(b) 66 K.V. sub-stationwith a transformer capacity of 10/12-5 MVA, 66/11 KV.

(c) Likely to be completed in 1989-90-

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, मेरे एरिया में बिजली की किल्लत है। मै मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि जब तक मेरे हल्के में सब–स्टे ान नहीं बन जाता तब तक क्या मेरे एरिया को बिजली की किसी अन्य लाईन से जोड़ने का मामला विचाराधीन है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी हाल ही में साहा में 66 के0वी0का सब–स्टे ान कमी ान किया गया है और उससे काफी हद तक प्रोब्लम सोल्व हुई है। इस सब–स्टे ान को व र्ा 1989–90 तक पूरी बिजली सप्लाई कर दी जाएगी।

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर सर, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि मेरे हल्के में बरवाला में 33 के0वी0 का एक सब–स्टे ान है, क्या उसे 66 के0वी0 का सब–स्टे ान बनाने का कोई मामला विचारधीन है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः इसके लिए अलग नोटिस दें।

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानने का इच्छुक हूं कि क्या इस साल साह सब–स्टे ान की पूरी म ीनरी फिअ कर दी जाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैंने वर्श 1989–90 तक पूरा करने का आ वासन दिया है, अभी तो 1988 ही जा रहा है।

श्री जगपाल सिंह चौधरीः अध्यक्ष महोदय, साहा का सब–स्टे ान कमी ान हो चुका है। मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि क्या भााहजादपुर के आस पास के कुछ गांवों को इस लाईन से जोड़ने की प्रपोजल हे ताकि उन गांवों लोगों को भी पर्याप्त बिजली मिल सके ?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, ये इस बारे प्रपोजल बना कर दे दे उस के बाद विचार कर लिया जाएगा।

श्री मांगे रामः स्पीकर साहब, मेरे इलाके बहादुरगढ़ में 66 के0वी0 का एक पावर हाउस है जिस पर कांग्रेस राज के समय सारे रिजैक्टिड ट्रासफार्मर्ज लगाए गए थे, जिस कारण उस हल्के में बिजली अक्सर खराब ही रहती है और कई बार आग लग जाती है। कांग्रेस वालों ने तो वहां ना ा ही कर रखा हैं मै मंत्री महादय सै यह जानना चाहूंगा कि क्या बहादुरगढ़ में 132 के0वी0 कापावर हाउस बनाने की कृपा करेगे? बहादुरगढ़ गेट वे आफ

हरियाणा है। वहां करीब 600 फैक्ट्रियां लगी हुई है और उस की आबादी एक लाख के लगभग है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने कहा है कि "कांग्रेस ने ना ा कर रखा है"। मैं स्वयं बहादुरगढ़ जाकर इस पावर हाउस को देखूगा और जो भी समस्या होगी उसका समाधान करवा दिया जाएगा।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, एक सवाल के जवाब में मंत्री जी ने बताया था कि हसनपुर, हथीन औरमण्डकोला के लिए 66 के0वी0 का एक सब–स्टे ान प्रस्तावित हे। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि वहां कब काम भुरू हो जाएगा और यह कब तक बन कर तैयार होगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः सवाल के जवाब में ही मैंने साल और टाईम बता दिया था।

Mr. Speaker: Hon. Members, question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित

प्र न का लिखित उत्तर

Construction of Auto Market by H.U.D.A. at Ratia

***528 Shri Atma Singh Gill:** Will the Chief Minister bepleased to state-

(a) whether there is anyproposal under consideration of the Government to construct an Auto Market at Ratia by the Haryana Urban Development Authority; and

(b) if so, the time by which the said proposal is likely to materialise?

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल):

(क) हां जी।

(ख) ले आउट प्लान को अन्तिम रूप देने तथा वित्तीय अनुमानों का अनुमोदन होने के तुरंत बाद हुड्डा द्वारा इस स्कीम को कार्यन्वित करने की सम्भावना हे।

विभिनन विशयों का उठाया जाना

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मैंने आज एक काल अटैन्शन मोशन का नोटिस दिया है। करनाल की लिबर्टी भूज फैक्ट्री में बर्कर्ज पर गोली चली है, लाठी चार्ज हुआ है तथा मजदूर पकड़े गए हे। आज उसके बारे में मै चौधरी देवी लाल जी से मिला था। उन्होंनें इस बात का आश्वासन दिया है कि मै इस बारे में पता करवाऊंगा। इसलिए मैंने आपके द्वारा काल अटैन्शन मोशन के जरिए यह मामला उठाया है।

Mr. Speaker: I have not examined it as yet.

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, हमारे आदरणीय माननीय सदस्य डा0 मंगल सैन जी ने जो बात कही

उससे भाायद सदन भी चिन्तित है। मैं बताना चाहता हूं कि आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने आज ही सुबह डा0 साहब से मि वरा करके हमारे लेबर एंड एम्पलायमैंट मिनिस्टर श्री रघुवीर सिंह और पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर श्री राम विलास भार्मा दोनों की डियूटी लगाई है कि वे सै ान खत्म होने के बाद फौरन करनाल स्पौट वैरिफिके ान के लिए जाएं। उसके बाद ही कोई बात कह जा सकती है।

श्री हीरा नन्द आर्य : अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय कृशि मंत्री का अखबारों के अन्दर सरकारी अधिकारियों के खिलाफ एक ब्यान छपा था। उन्होंने हिसार के एस0पी0 को भी टैलीफोन पर धमकाया था और अब एक तह्सीलदार को धमकी दी है। उस बारे में मैंने एक प्रस्ताव दिया था, उसका क्या बना?

श्री अध्यक्षः वह मैंने गवर्नमैंट को कमैंट के लिए भेजा हुआ है and I have not yet received the comments.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

जिला अम्बाला, ब्लौक बराड़ा के गांव मिल्क धनकोट में औद्योगिक रसायन आदि के गल्त प्रयोग के कारण प ाुओं की मृत्यु संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Memers, I have received a notice of calling attention motion No. 11, for Shri Hira Nand Arya, M.L.A., regarding death of cattle in Village Milk Dhankot, Block Brara, District Ambala etc, due to the wrong

administriation of an industrial chemical. etc. I admit it. He may please read his notice and the Minister of State for Animal Husbandry may make thestatement theron thereafter.

श्री हीरा नन्द आर्य: मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोग महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि हाल ही में प ा पालन विभाग द्वारा प ाुओं में कीड़े के ईलाज के लिए एक औद्यायोगिक रसायन का गलत प्रयोग करने के कारण गांव मिल्क अनकोट ब्लाक बराड़ा जिला अम्बाला में संकर गाय तााि अन्य प ा मर गये हैं। इस से भारी हानि हुई है तथा लोगों के मन में रोश तथा भय मर सकते है। इसलिए इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस मामले में तुरंत उपचारी उपाय करने के बाद प ा पालन राज्य मंत्री इस वर्ममान सत्र के दौरान सदन का सूचित करने के लिए इस महान सदन में एक वक्तव्य दें।

वक्तव्य–

प ाुपालन राज्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

प ाुपालन राज्य मंत्री (श्री अजमत खां): कृमि रोग (पेट में कीडे होना) प ाुओं का एक आम रोग हैं बाढ़ तथा सूखे की स्थिति में यह पेट के कीड़ों का रोग प ाुओं के स्वास्थ्य को बड़ी हानि पहुंचाता है क्योकि प ाुओं को स्वच्छ जल नहीं मिलता और उनका आहार भी असंतुलित हो जाता है। इस कीड़ों के रोग की रोकथाम के लिए प ा पालन विभाग प ाुओं को कीड़े मार इलाज

उपलब्ध कराता है। सूखे तथा बाढ़ जैसी आपत्तियों में प ाुओं को पेट के कीड़ों के रोग से बचाने हेतु सारे राज्य में वि ोश अभियान चलाये जाते है। कीड़ों के रोग से बचाने का यह विभाग का कार्य बहुत पुराने समय से चलता आ रहा है।

अम्बाला जिले में ग्राम मिल्क धन कोट के एक कृशक श्री राजयपाल गम्भीर ने श्री हवा सिंह वी0एल0डी0ए0 कार्यभारी स्टाकमैन केन्द्र मनका मनकी (ब्लाक बराड़ा) को अपने प ाुओं को पिलायी। यह दवाई कार्बनटैटराकलोराइड, भारत सरकार की एक संस्था, आई0डी0पी0एल0 द्वारा बनाई गई है। 13 प ाुओं को जिनमें 6 संकर गाय, एक संकर सांड, 4 संकर बछड़िया, एक संकर बछड़ा और एक कटड़ी थी, को यह दवाई पिलाई गई । इन 13 प ाुओं में से 3 गाय 8 और 9 फरबरी, 1988 की रात में मर गई और दूसरे प ाुओं की हालत गम्भीर हो गई। श्री राजपाल ने श्री हवा सिंह वी0एल0डी0ए0 मनका–मनकी और प ाु चिकित्सक बराड़ा प ाु चिकित्सालय को 9 फरवरी, 1988 को इस बारे बताया। ये कार्यकर्ता तुरंत मौके पर गये और भोश प ाुओं को बचाने सम्बन्धी इलाज देना भाुरू कर दिया। भरसक प्रयत्नों के बावजूद 2 और गाय 9 और 10 फरवरी, 1988 को मर गई। भोश प ाुओं को बचाने हेतु एक वि ोशज्ञों की टीम जिसमें कृशि ज्ञान केंद्र , एच0ए0यू0 अम्बाला का रोग निदान अधिकारी भी था तुरन्त 10–2–88 को मौके पर भेजी गई ताकि अन्य प ाुओं को और इलाज दिया जा सकें। दो बछड़िया फिर भी 15 फरवरी, 1988 को

मर गई किन्तु भोश 6 प ाुओं को बचा लिया गया। जांच करने पर यह ज्ञात हुआ कि श्री हवा सिंह वी0एल0डी0ए0 से यह कीड़े मारने वाली दवाई (कार्बनटैटराकलोराईड) लिक्वड पैराफिन या छाछ जो कि गांव में बड़ी आसानी से मिल जाती है। में मिला कर देने की बजाय पानी में घोल कर प ाुओं को दे दी। इस वी0एल0डी0ए0 को इस गम्भीर लापरवाही के कारण जिससे 7 प ाुओं की मृत्यु हो गई, निलम्बित कर दियागया है।

कार्बनटैटराकलोराइड, भारत सरकार की एक संस्था आई0डी0पी0एल0 द्वारा बनाई गई है। यह दवाई "ब्रिटि ा वैट्नरी कोडैक्स" के स्तर की होती है और दवाई के रूप में प ाुओं में कीड़े मारने के लिए प्रयोग की जाती है और यह औद्योगिक कैमीकल नहीं है। प ाुपालन विभाग द्वारा इसे कृमि रोग ना ाक दवाई के रूप में बहुत पहले से प्रयोग किया जा रहा है। यह विभाग इस कृमि रोगना ाक दवाई को इस मान्यता प्राप्त साधन से ही खरीद कर राज्य के सभी जिलों में भेजता रहा है और कहीं से भी इसके प्रयोग से हुई किसी घटना के बारे कभी कोई सूचना नहींमिली। चालू साल में भी इसके प्रयोग से हुई किसी घटना के बारे कभी कोई सूचना नहीं मिली। चालू साल में भी प ाुओं में कृमि रोग पर काबू पाने के लिए विभाग यह इलाज दे रहा है। राज्य में 3657 वि ोश कैम्प प ाु स्वास्थ्य रक्षा बारे लगाए जा चुके है। इनमें लगभग 14 लाख से अधिक प ाुओं की कृमि रोग दवाइयां दी जा चुकी है। कहीं से भी किसी भी प ाु की मृत्यु या

और हानिकारक प्रभाव होने बारे कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। हिवाय इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के जो कि एक क्षेत्रीय कार्यकर्ता की लापरवाही के कारण हुई है।

इन हालात को देखते हुए लोगों में इस घटना के कारण कोई डर या रोश पदा नहीं हो रहा कि इस दवाई से और अधिक प ाुओं की मृत्यु होगी क्योंकि फरवरी के मध्य में हुई इस घटना के बाद राज्य के किसी भी क्षेत्र से प ाु मृत्यु की कोई ऐसी सूचना नहीं मिली। इस घटना से पहले भी प ाुओं को कीड़े मारने वाली दवाई पिलाने से कभी कोई हानि नहीं हुई। इसके इलावा उप निदे ाक व अन्य फील्ड अधिकारी जो इलाके में जाते रहते है, उन्होंने भी लोगों में इस घटना के कारण पैदा हुआ कोई डर या रोश नहीं पाया। वास्तव में यह तो एक दुर्घटना ही थी जो किसी व्यक्ति द्वारा किसी एक केस में लापरवाही करने के कारण हुई है। इस मामले में संलिप्त दोशी कर्मचारी के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही भाुरू कर दी गई है। फील्ड स्टाफ को पुनः हिदायतें दी जा चुकी है कि वह प ाुओं में दवाई को ठीक ढंग और ठीक मात्रा में लिक्वड पैराफिन में ही मिला कर दे और पानी में मिला कर न दें।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, राज्य मंन्त्री महोदय ने यह बताया है कि वी0एल0डी0ए0 को सस्पैड कर दिया गया है। हकीकत में तो एक छोटे कर्मचारी को सस्पैड कर दिया गया हे जबकि उस दवाई की खरीद में गड़बड़ हुई है। उस गड़कड़ के

कारण ही ऐसा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जो दवाई परचेज की गई है, उसके लेबल पर लिखा है–

"No responsibility is undertaken for any accident due to wrong administration of Carbon Tetrachloride which is purely meant for industrial use."

यह एक बहुत ही खतरनाक बात है कि यह दवाई जो इंडस्ट्रियल यूज के लिए थी, यह प ाुओं को दी गई है।

श्री अध्यक्ष : आप प्र न पूछे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै ंप्र न पर ही आ रहा हैं। मैं यह कह रहा हूं कि जिस कमेटी ने यह दवाई परचेज की है, उसके खिलाफ क्या सरकार जांच करने के लिए तैयार है क्योंकि गलत दवाई खरीदी गई है? (व्यवधान और ाोर)

श्री अध्यक्षः आप सीधा सवाल पूछें।

श्री हीरा नन्द आर्यः मै यह जानना चाहता हूं कि क्या इस बारे में ऐक्सपर्ट डाक्टर्ज की अलग से जांच समिति बिठा कर जांच करवायेंगे ताकि इस प्रकार की पुनरावत्ति न हो?

श्री अजमत खांः स्पीकर साहब, अगर कोई गलत दवाई दी गई होगी और उससे कोई मरा होगा तो जांच कराकर गलती करने वाले को जरूर सजा दी जाएगी।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, जिस दवाई का मन्त्री महोदय जिक्र कर रहे है यह इंडस्ट्रियल यूज के लिए है और आउट डेटिड है। क्यामन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन्होने यह दवाई किसी ऐप्रूव्ड मोर्स से खरीदी थी और और जो प ा इस दवाई के खाने से मर गए है उनके मालिकों को कोई मुआवजा दिया जाएगा?

श्री अजमत खांः स्पीकर साहब, हमारे पास अभी तक कोई दरखास्त मुआवजे के लिए नही आई है। हम दवाई की जांच करा लेगें और अगर कोई गलत चीज पाई जाएगी तो हम अधिकारियों के खिलाफ ऐक ान लेगे।

समितियों की रिपोर्ट्स पे ा करना

(1) ऐस्टीमेट्स कमेटी की 20 वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः अब ऐस्टीमेट्स कमेंटी के चेयरमैन, श्री हरि सिह, कमेटी की वर्श 1987–88 के लिए 20 वीं रिपोर्ट पे ा करेंगे।

श्री हरि सिंह (चेरमैन, ऐस्टीमेट्स कमेटी): स्पीकर साहब, मैं वर्श 1987–88 के लिए ऐस्टीमेट्स कमेटी की 20 वीं रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूं।

(2) कमेटी औन दि वैल्फेयर औफ गड्ट्स एवं भाड्यूल्ड ट्राइब्ज की 13 वी रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः अब कमेटी आन दि वैलफेयर औफ भाड्यूल्ड एंड भाडयूल्उ ट्राइब्ज के चेयरमैन, श्री जय नारायण खुंडिया, कमेटी की वर्श 1987–88 के लिए अनुसूचित जातिों तथा जनजातियों के कल्याण के लिए समिति की 13वीं रिपोर्ट पे ा करता हैं।

(3) कमेटी औन सबौर्डिनेट लेजिस्ले ान की 19 वीं रिपोर्ट

अध्यक्षः अब कमेटी औन सबौर्डिनेट लेजिस्लेशन के एक सदस्य, श्री करेंगे। लछमन सिंह कम्बोज, कमेटी की वर्श 1987–88 के लिए 19वीं रिपोर्ट पे ा करेगे।

री लछमन सिंह कम्बोज (सदस्य, कमेटी आन सबौर्डिनेट लेजिस्ले ान): स्पीकर साहब, मै वर्श 1987–88 के लिए कमेटी आन सबोर्डिनेट लेजिस्ले ान की 19 वी रिपोर्ट पे ा करता हूं।

(4) कमेटी औन गवर्नमैंट अ योरैजि की 19 वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः अब कमेटी औन गवर्नमैंट अ योरैसिज के चेयरमैन, श्री धर्मपाल, कमेटी की वर्श 1987–88 के लिए 19वीं रिपोर्ट पे ा करेंगे।

Shri Dharam Pal (Chairman, Committe on Governement Assurances): Sir, I beg to present the Nineteenth Report of theCommitte on Government Assurances for the year 1987-88.

दि हिरयाणा ऐप्रोए ान (न02) बिल, 1988

श्री अध्यक्षः अब उप मुख्य मंत्री महोदय, हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान (संख्या 2) बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करेंगे और उसे कंसिडर करने के लिए मो ान मूव करेंगे।

उप मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं हग्रियाणा विनियोग (सं0 2) विधेयक, 1988 प्रस्तुत करता हूं।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं–

कि हरियाणा विनियोग (सं0 2) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation (No.2) Bill be taken into consideration at once.

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक (जुलाना): अध्यक्ष महोदय, 22 मार्च को हमारे उप मुख्य मंत्री महोदय, श्री बनारसी दास गुप्ता जी, ने जो बजट पे ा किया, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। पिछले पांच वर्शों में जो भी बजट पे ा किए गए उनमें हमने देखा कि जनता के ऊपर बहुत ज्यादा बोझ डाला गया था लेकिन यह बजट टैक्स फ्री बजट है और एक किस्म से अपने आप में मिसाल है। मैं समझता हूं कि यह सब से अच्छा बजट हे। जब यह सरकारबनी तो उस समय इस सरकार पर बहुत ज्यादा

बोझ पड़ा हुआ था लेकिन उसके बावजूद वृद्धों को पैन्‍ ान दी गई, कर्जे माफ किए गए और ओलावृ ि ट के लिए मुआवजा दिया गया। मेरे हल्के तथा मैहम में हाल ही में तूफान आने से जो नुक्सान हुआ, उसका मुआवजा हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने दिया । स्पीकर साहब, इतना खर्चा होने के बावजूद भी किसी किस्म का कोई टैक्स नहीं लगाया गया।

स्पीकर साहब, जिस वक्त हल्का जुलाना में तूफान आया उस उक्त किसी को भी यह एहसास नहीं था कि लोगों को इसका मुआवजा मिलेगा क्योंकि इससे पहले कभी भी लोगों को आंधी और तूफान से हुई बर्बादी कामुआवजा नही मिला था। लेकिन हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी देवीलाल जी के राज में यह मुआवजा देने का काम बड़े ही जोर भाोर से भाुरू किया गया है। हमारे मुख्य मंत्री महोदय की किसानों और गरीबों के प्रति बहुत ज्यादा हमदर्दी है और यही वजह है कि सारे का सारा कांग्रेस का खराब ढांचा बदल कर के लोगों ने इस नई सरकार को अपना प्रतिनिधि माना है। एक नई करवट हरियाणा के अन्दर आई है और बहुत ज्यादा वोटों से बहुत अधिक विधायकों को यहां पर चुनकर भेजा है। इसका कारण यह था कि जनता एक अच्छा राज चाहती थी, एक तबदीली चाहती थी। जनता गला, सडा, गन्दा कांग्रेस का सिस्टम खत्म करने पर उतारू थी, और वह जनता ने कर भी दिखाया।

आज जनता की इच्छानुसार ही यह सरकार अपनी नीतियां बना रही हैं लोगों को तहर तरह की सहूलियमें दी जा रही है। आज से पहले इस हरियाणा के इतिहास में कभी भी बेरोजगारी का बसों में आने जाने का किराया माफ नहीं किया गया था और न ही आज तक वृक्षों का आधा हिस्सा, जोकि किसानों के खेतों के साथ और सड़कों के आस पास लगे हुए हें, किसानों को दिया गया था। लेकिन इस सरकार ने यह सब कुछ कर दिखाया है और लोगों की हर लिहाज से मदद की है। यह नयी स्की इसी चौधरी देवी लाल जी की सरकार द्वारा ही चलाई जा रही है। कांग्रेस की जो सरकार हे वह इस सरकार को बदले और बदली की सरकार के नाम से पुकारती है। लेकिन जब सिस्टम बदलना है तो हर तरह से तबदीलियां भी आएंगी ही। जब जनताने राज ही बदल दिया तो वह राज भी जनताकी इच्छाओं के अनुरूप ही चलेगा। बहुत से अफसर कई कई सालों से एक ही जगह पर बैठे हुए थे ओर अपनी नाजायज हकूमत चलारहे थे। इसलिए ये आवश्यक था कि उनप अधिकारियों के तबादले जनता के हित के लिए किये जाएं और इसी वजह से कुछेक तबदीलियां की भी गयी और आगे भी की जानी है।

अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं रोजगार के बारे में भी कहना चाहूंगा कि आज बेरोजगारी की समस्या बुरी तरह से मुह बाये खड़ी है। उसकासमाधानकरने के लिए केबल नौकरियां देने से ही बात नहीं बनेगी । अध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस संसार में

आया है, भगवान भी उसकी एक मुंह और दो हाथ देता है। इसलिये हमारी सरकार को बेरोजगारेां के लिए ज्यादा से ज्यादा कर्जे केवल मात्र ब्याज पर देने होंगे। बिजली और कच्चे माल से भी उनकी मदद करनी होगी। अध्यक्ष महोदय, मुझे उस जनता राज की याद आती है जब गांव गांव में छोटे छोटे उद्योग धन्धे खोले गये थे और साथ में तरह तरह की सहूलियमें उन लोगों को दी गई थी। चार जाति के लोग आपस में मिलकर छोटे छोटे उद्योग लगाते थे और उन को सरकार की और से पूरी बिजली और कच्चे माल की सप्लाई बराबर होती रहती थाी। दतना ही नहीं उनका सामान तैयार होने के बाद उसकी सप्लाई के साधन भी सरकार द्वारा जुटाये गये थे ताकि लोगों को किसी स्मि की परे ाानी न उठानी पड़े। जनता के राज में लोगों की सभी प्रकार की फैक्रियां मुनाफे में जा रही थीं लेकिन ज्यों ही जनता राज खत्म हुआ वे सब से सब उद्योग तह्स नहस हो गये। इसलिये इन सब बातों की और आज हमारी सरकार का ध्यान अवश्य जाना चाहिये ताकि लोगों को पहले वाली सारी सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा को सदियों से दूध और दही की खान बताया जाता है इसलिए दूध की पैदावार की तरफ और डेरी डिवैल्पमैन्ट की तरफ सरकार को खास ध्यान देना चाहिये। यह खेतों में काम रकने वाले लोगौं के साथ एक तरह से जुड़ा हुआ साधन है। हमारे जो नौजवान भाई है कुछ थोड़े पढ़े खिे हे और कुछ ज्यादा पढ़े–लिखे है, इससे उनको रोजगार का

साधन पुनः मिल सकेगा। इस लिये सरकार इस और ध्यान दे। इसी तरह से मुर्गी पालन और मछली पालन या दूसरे कई ऐसे अच्छे काम हे जिनसे बेरोगारी की समस्या दूर हो सकती है। इसलिए हमारी सरकार को मुर्गी पाल और मछली पालन को प्रोत्साहन देना चाहिए। हमारे हरियाणा प्रदे ा में कप ान का नाम चला आ रहा है। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने एक नारा दिया है भ्रश्टाचार बन्द, बिजली पानी का प्रबन्ध। मै तो यह कहता हूं कि भ्रश्टाचार तब तक बन्ध नहीं होगा जब तक भ्रश्टाचारी बंद नहीं होंगे। आज भी कुछ भ्रश्टाचारी लोग बैठे हुए हैं। उन पर रेड करने पड़ेंगे, उनको एक स्थान से दूसरे स्थान पर बदलना पड़ेगा उन भ्रश्टचारियों को आमदनी के जरिए के हिसाब से उनकी सम्पत्ति का जायजा लेना पड़ेगा और यह देखना पड़ेगा कि उनके पास इतनी जायदाद कहां से आई। जो भ्रश्टाचारी तत्व हे, वे तभी समाप्त हो सकते है यदि उनको चैक करने के लिए रेड डाले जाएं और उनके साथ बड़ी सख्ती से निपटा जाए। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस बारे में ध्यान दे। इसके अलावामें जींद जिले के बारे में कुछ बाते कहना चाहूगा। जींद जिला हमे ाा लोकदल पार्टी के साथ रहा है और उसने चौधरी देवी लाल जी के हाथ मजबूत किए है। चाहे वह रास्ता रोको प्रोग्राम हो, ाहे न्याय यात्रा हो और चाहे समस्त हरियाणा सम्मेलन हो, जींद जिला हमे ाा चौधरी देवी लाल जी के साथ रहा। जींद जिले से नरवाना, उचाना, और जींद से पहले तीन मंत्री हुआ करते थे लेकिन उनहोंने जींद जिले की तरफ कभी भी ध्यान नहीं दिया।

किसी भी मंत्री की तरफ से जींद जिले के विकास और गौर नहीं किया गया। मै सरकार से प्रार्थना करूंगा कि या तो जींद जिले में कोई बड़ा एजूके ान का इन्स्टीच्यूट खोला जाए या कोई बड़ी फैक्टरी लगाई जाए ताकि जींद का नाम हरियाणा के नक ो पर पहले नम्बर पर आ सके। इसके अलावा मैं एक बात वकीलों के एजीटे ान क बारे में कहना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, आज भी वकीलों का एजीटे ान चल रहा हें वकील पढ़े लिखे समाज का एक बहुत जरूरी अंग है जोकि पब्लिक ओपीनियन को भी जानते है और उनको कीम ऑ दि सोसाइटी कहा जाता है। लेकिन जब उनके ऊपर कोई संट आता है ओर उनको कोई तकलीफ होती है तो बहुत सी सरकारें उनकी तरफ ध्यान हीं देती। अध्यक्ष महोदय, भारत वश्र के वकील काफी महीने पहले से भूख हड़ताल पर बैठे हुए है लेकिन उनकी तरफ सरकार का कोई ध्यान नहीं है। आज से दो साल पहले जींद में वकीलों का इसी किस्म का एक एजीटे ान चला था जो कि सारे हरियाणा में और भारत के कई दूसरे सूबों में फैल गया था। वहां पर वकीलों का किसी बात को लेकर के झगड़ा था। उसमें वकीलों के साथ ज्यादती की गई ओर उन पर झूठे मुकदमें बनाए गए, उनको अदालतों में पीटा गया। अदालतों के जजों ने अपने रिटायरिंग रूम में वकीलों को भारण दी। जींद में वकीलों पर बुरी तरह से लाठी चार्ज किया गया था। भाायद वैसा लाठी चार्ज हरियाणा प्रदे ा में पहले कभी नही हुआ था। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी से उस बारे में प्रार्थना की गइ और कहा गया कि हम वकीलों के विरूद्ध झूठे मुकदमें वापिस

एि जाऐं। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने चीफ सैकेटरी को फौरन आदे ा दिए कि जो झूठे मुकदमें इन पर बनाए गए हैं वे वापिस लिए जाएं और आर्ड डी0 सी0 साहेबान के पास भी गए थे। लेकिन न जाने डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रे ान की तरफ सेक्या टैक्नीकल हिच आ गई जिसकी वजह से आज तक वे झूठे मुकदमें वापिस नहीं लिए गए है। चौधरी भजन लाल ने यह कहा था कि उन वकीलों के एजीटे ान तो मेरे को हटाने का है, एस0पी0 के ट्रांस्फर के लिए नहीं। इस मामले को पोलिटीकल रंग दिया गया था। मै प्रार्थना करता हूं कि जो झूठे मुकदमें वकीलों पर उस समय से चलाये जा रहे है, वे उन पर से उठाये जाये।

अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के राज में टैक्स इवेजन बहुत ज्यादा हो रहा था और इन्प्स्पैक्टर्ज तथा दुकानदारों की मिलीीागत थी, जिसकी वजह से सरकार के रवैन्यू में बहुत घाटा होता था। इसी तरह से टैक्स की जो रिकवरी थी वह भी ठीक ढंग से नहीं की जा रही थी। टैक्स ठीक ढंग से रिकवर न होने की वजह से हरियाणा के बजट में बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा था लेकिन अब हामरी सरकार ने कई जगहों पर रेड किए है। प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने भी दिन रात मेहनत करके काफी रेड किए है और काफी केसिज पकड़े है। इस बारे में मै सरकार से प्रार्थना करता हूं कि इस अभियान को और जोर से चलाया जाये ओर पीछे की रिकवरी भी जल्दी से जल्दी की जाये।

अध्यक्ष महोदय, जनता राज में हरिजन चौपालें बनाई गई थीं। यह गरीबों के लिए एक नया कदम था जो चौधरी देवी लाल जी ने उस समय उठाया था। जनता राज में चौपालों का काम जहां खत्म हो गया था, वह काम आज तक वहीं रूका पड़ा है। अगर किसी चौपाल में दरवाजे नही लगाये गए तो उन पर आज तक दरवाजे नहीं लगे है। यदि किन्ही चौपालों की लिपाई नहीं हुई तो लिपाई भी आज तक अधूरी पड़ी हुई है। यदि किसी चौपाल का फ र्ा कमपलीट नही हुआ था तो वह भी आज तक अधूरा ही पड़ा है। यदि किसी चौपाल क फ र्ा कम्पलीट नहीं हुआ था तो वह भी आज तक अधूरा ही पड़ा है। इस बारे में मेरा सरकार से निवेदन है कि जो चौपालें उस समय की अधरी पड़ी हुई है, पहले उन्हें कम्पलीट करवाया जाये।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं ड्रेन्ज खोदे जाने संबंधी बात कहना चाहूंगा। मेरे हल्के में बाढ़ से बचाव के लिए एक ड्रेन खोदी गइग थी। इस ड्रेन के बारे में मैंने कई बार नोटिस भी भेजे है कि इस पर पुल बनाये जायें क्योंकि पुलों के बिना लोगों को काफी दिक्कत हो रही हें लोग अपने खेतों ं आ जा नहीं सकते उस ड्रेन के वाटर कोसिज को ठीक करवाया जाये। जहां तक एम0आई0टी0सी0 काहाल है वह भी किसी से छिपा हुआ नही है। कांग्रेस के राज में एम0आई0टी0सी0 के काम से लोग बहुत चिन्तित थे। हमारी इस सरकार को बने हुए अभी आठ–नौ महीने ही हुए है। हमारी सरकार के पास पैस नहीं थे जिसकी वजह से

रिपेयर वर्क भी सुचारू रूप से नहीं चल सका। नालों का वाटर लैवल ऊंचा नीचा है। जब हम इस बारे में भूतपूर्व आई0पी0एम0 री सुरजेवाला जी से मिलते थे तो वे हंस कर बात को टाल दिया करते थेसुनवाई कोई नहीं होती थी। वे दरबार मो अव य लगाते थे लेकिन काम कोई नहीं होता था। इस तरह का दरबार वे जीन्द में भी लगाते थें। एक बार मैं भी उनसे मिला था ओर कहा था कि एम0 आई0 टी0सी0 ने जो नाले बनाये है उनका लैवल ठीक नही नहीं है इन्हें ठीक करवाया जाये। वे काम करने की बजाए लोगों का मजाक उड़ाते थे। मसाला अच्छा न लगने की वजह से वाटर कोसिज की भी बहुत बुरी हालत है। इस बारे में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जिन वाटर कोसिज की बुरी हालत है। इस बारे में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जिन वाटर कोजिस की बुरी हालत है उनको जल्दी से जल्दी ठीक करवाया जाये। जीन्द के अनदर एम0आई0टी0औ0 (रिपेयर) का एम0डी0औ0 ही बैठता है जबकि एक्सीयन बैठना चाहिए और एस0डी0औ0 जुलाना में बैठना चाहिए। जीन्द में एक्सीयन न होने की वजह से वाटर कोसिज की रिपेयर का काम ठीक प्राकर से नही हो रहा है। इस बारे में मै आई0पी0औ0 जुलाना मे। बैठना चाहिए। जीन्द में एक्सीयन न होने की वजह से वाटर कोर्सिज की रिपेयर का काम ठीक प्रकार से नहीं हो रहा ह। इस बारे में मै आई0पी0एम0 साहब से यह भी अर्ज करना चाहता हूं कि जहां ड्रेन के वाटर कोर्सिज से लोग पानी देने के अलावा आपने टयूबवैल्ज से पानी देते है। उसके भी नहरी पानी की तरह रेट्स लिए जाते है जिसकी वजह से लोग

परे ाान हैं। इस बारे में मेरी इनसे प्रार्थना हे कि जहां पर ऐसे नाले है और लोग उनसे अपने ट्यूबबैल्ज द्वारा पानी लेते है। उस परवाटर रेट चार्ज न किया जाए। तालाबों के लिए कई जगह आउट लैटस की मांग है (11.00 बजे) और कई जगह वाटर कोर्सिज भी नहीं है। इनके न होने के कारण तालाबों में पानी नहीं दे सकते। मेरे हल्के में अब ब्लाक से फण्डज लेकर वाटर कोर्सिज का काम चालू किया गया हे लेकिन आउट लैटस की अब भी वहां कमी है।

स्पीकर साहब, कजस प्रकार से भाहरों की सफाई की तरफ सरकार ध्यान दे रही है उसी प्रकार से गांवों की सफाई की तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भाहरों में सफाई कर्मचारी होते है लेकिन देहातें में सफाई कर्मचारी नहीं होते। जिस प्रकार से भाहरों के लोग भी साफ सुथरा जीवन व्यतीत करते है उसी प्रकार से गांवों के लोग भी साफ सुथरा जीवन व्यतीत करना चाहते हें। एक बात और मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि गांवों में दिन प्रतिदिन एन्कोचमैंट बढ़ती जा रही है जिसके कारण आपस में पार्टीबाजी होती हें इसके बारे में मै निवेदन करूंगा कि जब तक पंयायतों के चुनाव न हो जाएं तब तक बी0डी0औ0 और तहसीलदार की एक कमेटी बनाई जाए ताकि वे एनकोचवमैट रिमूव करवा सकें। एन्कोचमैट की वजह से रास्ते भी बन्द हो गए है। भाम ाान भूमि के लिए भी जगह कम हो गई है। लोग उपले पाथ लेते है। इसलिए भाम ाान भूमि के एरिया में

एनकोचमैंट को बन्द करवाया जाये और वहां सरकार की तरफ से ग्रान्ट दिलवाई जाये ताकि भाम ाान भूमि को ठीक तरह से बनाया जा सकें। दूसरे वहां पर छाया का भी इन्तजाम किया जाये तो और भी बेहतर रहेगा।

स्पीकर साहब, में सड़कों के बारे में अर्ज करना चाहूंगा। कई जगहों पर सड़कें स्कूलों तक नही पहुंचती है जिस कारण बरसात के समय विद्यार्थियों को बड़ी तकलीफ होती है इसलिए वहां पर सड़के बनाने में प्राथमिकता दी जाये। इसी प्रकार से मेरे अपने हल्के जुलाना में भी सड़कों की कई गांवों में बड़ी दिक्कत है। चार–पांच गांवों में सड़कें बनाई जानी बहुत जरूरी है। ढाणी गांव के बारे में मैंने मंत्री महोदय से भी कहा था कि इसे जीन्द के साथ जोड़ा जाये । इसी तरह से इगरा को सरसा–खेड़ी के साथ जोड़ा जाये तो वह रोड़ भिवानी और हांसी तक जुड़ जायेगा। खेड़ा बख्ता को झमोला के साथ जोड़ो जाये। यह केवल एक किलोमीटरका टुकड़ा है। उस पर मिट्टी डली हुई है। नन्दगढ़ से भैरोंखेड़ा और किनाना को बीबीपुरा के साथ जोड़ा जाये। इन चार–पांच गांवों के छोट टुकड़े है, इनको जल्दी से जल्दी पक्की सड़कों के साथ जोड़ा जाये ताकि आम जनता को सुविधा हो सके। इन सड़कों को मार्किट कमेटी के फण्ड से भी जोड़ा जा सकता है। मेरे हल्के जुलाना में मण्डी है, ब्लोक है, सब–तहसील है लकिन उसके नजदीक कोई कालेज नही है। महम और जीन्द में कालेजिज है लेकिन इन दोनों का फासला 20

किलोमीअर पड़ता है। अगर वहां परकालेज नही खोला जा सकता। तो वहां पर 10+2 का स्कूल जरूर खोला जाये।

इसी प्रकार से मैं बस स्टैड के बारे में भी कुछ अर्ज करना चाहूंगा। जब कि यहा पर बस रटैण्ड होगा। कई बार बस स्टैण्ड की मांग रखी गई लेकिन इस बारे में अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है। उस समय हम यह महसूस करते थे कि विधानसभा एक ऐसा मंच हे, एक ऐसी स्टेज है जहां परहम अपनी बात कह कर चले जाते है । यहां पर एक कान से सुन लेते थे ओर दूसरे कान से निकाल देते थें। कोई मौके पर हमारी बात को लिखने वाला नहीं होता था लेकिन आज हम देखते है कि हर हल्के के बारे में बातें नोअ की जाती हैं जिसकी जो जो भी मांग होती है उसके बारे में हाउस में आ वासन दिया जाता है कि हम इसको जल्दी से जल्दी पूरा करेंगें। अगर पूरा नहीं करेंगे तो इस पर सरकार का जो विचार होता है वह बताया जाता है। मैं समझता हूं कि यह हाउस में नई बात है। कांग्रेस के टाईम परहामरी कोई बात नहीं सुनता था। पिछले पांच साल से मैं बस स्टैण्ड के बारे में कहता आ रहा हूं । अब मुझे पता लगा है कि वहां पर बस क्यू भौल्टर बनाया जा रहा हैं वहां पर बहुत बड़ी मण्डी है। तीन–चार सड़कें लगती है, लोकल बसें भी जाती है। क्यू भौल्टर बनाने से बात बनने वाली नहीं है इसलिए वहां पर बस स्टैण्ड ही बनाया जाना चाहिए।

मेरे हल्के जुलाना में सिचाई के पानी की भी बहुत कमी है। नीचे का पानी खारी है, टयूबवैज्ज कामयाब नहीं है, इसलिए वहां पर और अधिक सिंचाई का पानी दिया जाये। एक–दो रजबाहों की प्रपोजल है, अगर वह मन्जूर हो जाये तो लोगों को इरीगे ान में काफी फायदा होगा।

हम यह महसूस करते है कि जब से दे ा आजाद हुआ है हल्का जुलाना की तरफ कांग्रेस सरकार ने कोई तवज्जो नहीं दी जिसका नतीजा यह हुआ है कि आज हमारा यह इलाका हर लिहाज से पिछड़ा हुआ है। इसलिए मैं यह निवेदन करूंगा कि जुलाना हल्के को दूसरे हल्कों की अपेक्षा प्राथमिकता दी जाए।

अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं पीने के पानी की बाबत कुछ बातें कहना चाहता हूं। एक सप्लीमैंटरी सवाल में भी मैंने यह मुदा उठाया था कि पानी के लिए कई गावों में डिग्गियां बनी हुई है। इन डिग्गयों से जो पानी दूसरे गांवों में लाया जाता है वह रबड़ के पईपों से लाया जाता है। कई लोग अपने लालच के लिए एन रबड़ा के पईपों को काट देते है जिससे दूसरे गांव की पानी की सप्लाई बन्द हो जाती है। कई–कई दिन इन पाईपों की मुरम्मत नही होती और गांवों में पीने का पानी नही पहुंच पाता है। मैं यह निवदेन करूंगा कि इन रबड़ की पाईपों को काटते हे उनको सजा दी जाए ताकि दूसरे गांवों को पानी की सप्लाई में किसी प्रकार की दिक्कत पे ा न आए। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि गांवों में जो टूटियां लगी हुई है वे सारे

गांवों के चारों ओर नही लगी हुई है बल्कि एक ही और ज्यादा ट्टियां लगी हुई है। भाायद ही कोई ऐसा गांव हो जिसके चारो और समान रूप से टूटियां लगी हुई हो इसलिए हर गांव में सफि ोण्ट पानी की टूटियां चारों ओर लगाई जाए ताकि लोगो को पानी की सप्लाई सही समय पर मिल सकें। हमारे हल्के में जो अस्पताल हे, उसकी हालत बड़ी ही दयनीय है। यहां तक कि इस अस्पताल का गेट भी नहीं है जिस कारण आवारा प ाु अस्पताल में घुसे रहते हें। अस्पताल के अनदर जाने के लिए कोई रोड भी नहीं बनी हुई है। इस अस्पताल की बिल्डिग भी बहुत ही पुरानी है, प्लंग टूटे हुए है ओर बिस्तर भी फटे–पुराने है। मैं अनुरोध करूंगा कि इस अस्पताल के लिए कुद न कुछ नये इक्विपमैंट दिए जाएं ओर थोड़ा – बहुत फर्नीचर भी रिप्लेस किया जाए। इसके अतिरिक्त इस अस्पताल की नई बिल्डिंग बनाई जाए और इस को 50 बिस्तर का बनाया जाए। कांग्रेस के राज में बहुत से गांवों में आयुवैदिक डिस्पैसरियां भी खोली गई थी। इन डिस्पैसरियों का खर्चा आठ–आठ दस–दस हजार रूपये महीना आता है लेकिन डिस्पैसरी में दवाई 100/– रूपये की ीाी नहीं पहुंचती जिसकी बजह से इन डिस्पैसरियों में लोग ईलाज के लिए नाममात्र को ही आते है। सरकार से मेरी यह प्रार्थना है कि इन डिस्पैसरियों में ज्यादा–से–ज्यादा दवाईयां उपलब्ध करवाई जायें। हमारी सरकार पर बहुत ज्यादा बोझ है इसलिए लोग ड्रास्टिक चेन्ज लाना चाहते है। इस सरकार पर लोगों की बहुत सी आ ााएं टिकी हुई है ओर लोगों ने बहुत ही उमीदें लगाई हुई है।मै सरकार से यह निवेदन

करता है कि सरकार ऐसे पग उठाए जिससे लोगों की आ ाएं और उम्मीदें पूर्ण हो। ईन्ही भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री अध्यक्षः बजट और डिमांडज पर काफी मैम्बर साहेबान बोल चुके हैं। अतः जिन मैम्बर साहेबान ने अब बोलना है, वे कृपया जनरल वि ाय पर कम बोलें ओर आम तौर पर जो मैम्बर्ज बजट और डिमांडज पर नहीं बोले उनको टाईम दिया जाएगा।

श्री महा सिंह (राई) अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रोग्रैसिव सरकार के प्रगति ील बजट पर अपने विचार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं अपने आदरणीय उप–मुख्य मंत्री जी का तहदिल से भाुक्रगुजार हूं जिन्होंनें लोगों की इच्छाओं ओर ग्रांका–क्षाओं के अनुयप बजट प्रस्तुत किया है। मैं इस बजट का स्वागत करता हूं। मैं सरकार का ध्यान कुछ बातों की और दिलाना चाहता हूं। सबसे पहले मैं प ा ु–पालन के विशय में कुछ कहना चाहताहूं। अध्यक्ष महोदय, प ा पालन का व्यवसाय हिन्दुस्तान के लिए और खासकर हरियाणा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। हमारा प्रान्त एग्रीकल्चरल बेस्ड प्रान्त हैं। इस राज्य में खेती के साथ जो साईड बिजनैस सहज से हो सकता है, वह प ा–पालनही हो सकता है। यह गांव के लोगों को ज्यादा–से–ज्यादा धन उपलब्ध करवा सकता है। हमारी सरकार के पास प ा–पालन के जो साधन और तरीके हैं मै समझता हूं वे बहुत ही पुराने पड़ गए है।

अब आधुनिक तरीके हमारे सामे आ गए है और और हमारी सरकार इन आधुनिक तरीकों को लागू करे। हमें ए0आई0 सैंटर के बारे में सब से ज्यादा जोर देना चाहिए। आज हमारा हरियाणा अमरीका और डैनमार्क की गाय का मुकाबला नहीं कर सकता लेकिन अगर उनकी तरह हरियाणा भी आधुनिक तरीकों को अपनाए तो हम भी उनका मुकाबला कर सकते हैं। मैं अपने गांव की मिसाल देना चाहता हूं। हमने अपने गांव में एक ए0आई0 सैंटर खोला है ओर जो हमारी सरकार के पास तरीका है हमारे सैंटर का तरीका उससे दूसरा है। आज कल लिक्विड नाइट्रोजन सीमन को कलैक्ट करके डिस्ट्रीब्यूट किया जाता हें सीमन जर्क से भी खराब हो ाता हे ओर गर्मी से भी खराब हो जाता है। लिकिवड सीमन सही जगह पहुंचने तक 50–60 प्रति ात खराब हो जाता है जिसके कारण कंसेप् ान रिजल्ट नीचे चला जाता है । यदि इस तरीके को बदल कर फरोजन सीमन का सिस्टम लागू कर दियाजाये तौ मै अपनी सरकार से कहूंगा कि वह कोई बहुत मंहगा सिस्टम नही है। जितना पुराने मैथड पर खर्च आता है उससे थोड़ा सा ज्यादा खर्च आएगा। यह मौड्रन तरीका हरियाणा में लागू हो सकता है। हमारी गऊ ाालाओं में जो गाएं रखी जाती है उनके बारे में यह समझा जाता है कि उनका कोई यूज नहीं हे। लेकिन ए0आई0के जरिए, फरोजन सीमन के जरिए उनमें से सोना पैदा हो सकता है। लेकिए ए0 आई0 के जरिए, फरोजन सीमन के जरिए उनमें से सोना पैदा हो सकता है। कि जब तक दूध का भाव अच्छा नहीं दिया जाएगा तब तक प ा पालन में बढ़ौतरी

नहीं हो सकती। इसमें एक ही बात है कि दूध की सप्लाई के अन्दर मिडलम्ेन नहीं होने चाहिएं। अगर दूध की सप्लाई डायरैक्ट कर दी जाएयानी टू टायर सिस्टम कर दिया जाए तो प्रोडयूसर और कंज्यूमर दोनों को फायदा होगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि ऐसा करने से प्रोडयूसर को भाव ज्यादा मिलेगा और कंज्यूमर को दूध सस्ते रेट पर मिलेगा। अगर ऐसा कर दिया जाता है तो यह एक एतिहासिक और प्रगति ील कदम होगा। यदि हमारी सरकार इस बात को लागू कर दे कि दूध की कीतम उत्पादकता पर तय की जाएगी तो इससे किसान को बहुत लाभ होगा। इसके बाद में चिकित्सा पद्धति के बारे में भी कुछ बातें कहनाचाहता हूं । स्पीकर साहब, दुनियां के अनदर पांच चिकित्सा पद्धतिां हैं एलोपैथी, आयुवैदिक, यूनानी, होम्योपैथी और नैचुरलपैथी। मै अपनी सरकार से प्रार्थना करूंगा कि हमारे लिए सब से उपयोगी आयुवैदिक चिकित्सा पद्धति और यूनानी पद्धति है। इन पर जो ध्यान दिया जाना चाहिए वह नहीं दिया गया। बजट के अन्दर इसके लिएकेवल तीन करोड़ रूपया रखा गया है जो मैं समझता हूं कि न के बराबर है एलोपैथी के अन्दर बहुत भारी खर्चा दिा जाता है। मैं चैलैन्ज तो नहीं करना चाहता लेकिन अपने पुख्यता इरादे से यह बात कह सकता हूं कि एलोपैथी के अनधर जो एंटी बायटक दवाई है उसके बारे में दुनिया कह सकता हूं कि एलोपैथी के अन्दर जो एंटी बायटक दवाई है उसके बारे में दुनिया को कोई भी डाक्टर यह बता दे कि यह दवाई भाारीरिक रोग को दूर करती हें मैं तो यह कहता हूं कि बल्कि यह दवाई

और रोग पैदा करती है। इसका सब से बड़ा कारण यह है कि एंटी बायटक ड्रग अगर भारीर के एक जीवाणु को ठीक करती हे तो दस जीवाणुओं को खराब भी करती है। इसलिए इसके स्थान पर यदि आयुवैदिक और युनानी सिस्टम को लागू कर दिया जाए तो हमारे दे ा की आबो हवा के मुताबिक है, हमारी आदतों के मुताबिक है और हमारे भारीर के मुताबिक है तो मैं समझता हूं कि डाक्टरों की भी बहुत कम जरूरत पड़ेगी। यह पद्धति एलोपैथिक की निसबत कम खर्च से आम लोगों की ज्यादा सहायता कर सकती है। हमारी स्वास्थ्य मन्त्री जी तो इस समय बैठी नहीं मैं सरकार को ओफर करता हूं कि हम मुरथल गांव के अन्दर सरकार को बीस एकड़ जमीन दे देगे और सरकार वहां पर एक आयुवैदिक हस्पताल कायम कर दे। हम बता सकते हैं कि एलौपैथिक हास्पिटल की निसबत आयुवैदिक हास्पिटल पर खर्चा करके कितनेज्यादा लोगों का भला हो सकता है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह आयुवैदिक चिकित्सा पद्धति ओर यूनानी चिकित्सा पद्धति की तरफ वि ोश ध्यान देकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाये। अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की कुछ बातें ीाी सरकार के सामने रखना चाहूंगा। हमारे हल्के के अन्दर एक छोटू राम इंजीनियरिग कालेज हैं जब वह बनाया गया था, तो हमारे कोंग्रेसी भाइयों ने कुद वायदे किए थे। सारे कांग्रेसी भाई तो अब यहां पर बैठे नहीं है। असलम खां जी बैठे है। कांग्रेस सरकार ने हमारे भोले–भाले गांव के भाईयों को बहका कर, रबगला कर, झांसे में डालकर कुछ जमीन ले ली। मूरथल की पंचायत से एक

प्रस्ताव पास करा कर 300 एकड़ जमीन जी0टी0रोड पर ले ली। उस जमीन की एक एकड़ की कीमत दो–अढ़ाई लाख रूपये से कम नहीं है जमीन यह कह कर ले ली कि हम इस गांव के बच्चों को 5 सीटें इंजीनियरिंग कालेज में देंगे और क्लास थ्री और क्लास फोर की भर्ती में सारे इम्प्लाईज इसी गांव से लेंगे जब जमीन ले ली और कालेज बन गया तो उससे मुकर गए। न तो गांव के लिए सीटों में कोई रिजर्वे ान ही दी ओर नह ही वहां के बच्चों को नौकरी में लिया। उन्होंने अपना कोई भी वायदा पूरा नहीं किया। मैं अपनी इस लोकप्रिया सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि वह लोगों की भावनाओं को ठेस न पहंचने दे। पहली सरकार ने उन लोगों के साथ जो झूठे वायदे किए थे, उनको हमारी यह सच्ची सरकार पूरा करके दिखाए ताकि वहां के लोगों की कामनाएं पूरी हो सकें। मैं अपनी सरकार से यह निवेदन करूंगा कि वह इतना कश्ट जरूर करें। इसके बाद में ि ाक्षा के बारे में जरूर कहना चाहूंगा। ि ाक्षा पद्धति हिन्दुस्तान के अन्दर दो किस्म की हे। एक तरफ तो पब्लिक स्कूल और कान्वैट स्कूल है जिनके अन्दर अमीर घरों के बच्चे कारों में बैठ कर पढ़ने जाते है। वे तीन–तीन या 5–5 सौ रूपये माहवार फीस देते है। हजारों रूपये महीने का टयूटर लगाते है। खान पान, रहन सहन पर बेइन्तहा खर्च करते है। दूसरी तरफ हमार गरीब, किसान और मजदूर के बच्चे है जो फटे हुए कपड़े पहन कर और नंगे पैर चल कर गांवों की पाठ ाआलों में पढ़ने के लिए जाते है। कई जगह पर तो उनकी पढाने वाले भी नहीं है। उनके बैठने के लिए टाट

नही, पढ़ने के लिएपूरी किताबें नहीं है। मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि इसका कारण कांग्रेस का 40 साल का राज रहा है। इस दौरान उनहोंने अपने कपड़े, धोती और जूते बदलने के लिए तो योजनाएं बताई लेकिन हिन्दुस्तान में अच्छे इन्सान बनाने के लिए कोई योजना इन्होंने नहीं बनाई। इंनोने कभी भी ऐसी कोई योजना नही बनाई जिससे गरीब आदमी के बच्चों को कुछ बनाया जा सके। मै अपनी लोकप्रिया सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि इस ि ाक्षा को कुद बनाया जा सके। मैं अपनी लोकप्रिया सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि इस ि ाक्षा पद्धति के अन्दर आमूल–चूल परिवर्तन करके एक समान ि ाक्षा स्तर होना चाहिए। दूसरे, हमारी ि ाक्षा जौब श्रोरिएन्टिड होनी चाहिए। 10वीं क्लास तक तो सब को एक समान ि ाक्षा मिलनी चाहिए। उसके बाद साइकोलौजीकली बच्चे को टैस्ट करके जौब ओरिएन्टिड ि ाक्षा दी जाए ताकि वह रोजगार के लिए भागता न फिरे बल्कि रोजगार उसके पीछे भागे। अन्त में मैं आपका भाुक्रिया अदा करते हुए कि आपने मुझे बोलने के लिए इतना समय दिया, एक बात सड़कों की बाबत जरूर कहना चाहूंगा। यह कह कर मैं समाप्त कर दूंगा। कांग्रेस राज में चौधरी बंसी लाल कहा करता था कि मैंने हरियाणा के हरेक गांवा में बिजली पहुंचा दी है और चौधरी भजन लाल यह कहा करता था कि हरियाणा के हरेक गांव को मैंने सड़क से जोड़ दिया ह। मेरे हल्के के अन्दर अभी भी ऐसे गांव है जिनमें हिन्दुस्तान की आजादी के 40 साल के बाद भी

कोई सड़क नहीं बनी है। न वहां पर कोई स्कूल है न पीने का पानी हे और न बिजली है। (व्यवधान व भाोर)

एक आवाजः क्या वे खदर एरिया के गांव हें?

श्री महा सिंहः जी हां, वे खादर एरिया के गांव है। अध्यक्ष महोदाय, गुप्ता जी सड़कों के नाम लिखने लग रहें हे। मैं नाम लिखवा देता हूं। मनोली से टोकी, जाजल से छान, खेड़ी मनाजत से मनीरपुर ये ऐसे गांव है जहां पर न सड़क है, न स्कूल हे, न अस्पताल हे न बिजली है ओर न ही पानी हे। यह इन कांग्रेसी कर्णधारों के कारण है। (घंटी) अच्छा जी, धन्यवाद।

श्री भागी राम (ऐलनाबाद, अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे समय दिया है।

कामरेड हरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मुझे बजट पर सिर्फ पांच मिनट दिए गए थे। इसलिए मैं बिल पर बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप उस दिन 13 मिनट बोले थे। अब आप बैठिए।

श्री हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मैं बोलूंगा नहीं, में एक निवेदन करना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप कृपया बैठिए। और माननीय मैम्बर को बोलने दें जिन्हें मैं काल अपौल कर चुका हूं।

श्री भागी राम: स्पीकर साहब, आज हरियाणा विनियोग संख्या 2 वियेयक हाउस में पे ा हुआ है, मैं इसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह पास होने चाहिए। मैं इसके हक में हूं। अध्यक्ष महोदय, टाईम कम होने की वजह से मैं अपने हल्के के बारे में और सिरसा जिले के बारे में अब तक विस्तार से नहीं कह पाया हूं। अध्यक्ष महोदय, पिछले कई सालों से मेरी कांस्टीचुएंसी के साथ भेदभाव बरता जा रहा हैं यहां पर उप–मुख्य मंत्री जी बैठे है और यह वित्त मंत्री भी हैं। इन्होंने ही पैसा देना है। मेरा इनसे निवेदन हे कि सिरसा को ज्यादा पैसा न दें लेकिन जिले में एलनाबाद ऐसी कांस्टीचुएंसी है कि जिस कैडीडेट के सिर पर चौधरी साहब ने हाथ रख दिया वह जीतकर आया गया। मैं उन्हीं की महरबानी से 1977 में, 1982 और फिर 1987 में जीतकर आया हूं। स्पीकर साहब, पहले जब ऐलनाबाद का नाम किसी काम के लिए किसी वजीर के सामने आता था तो वह ऐलनाबाद का नाम काट दिया करता था। मेरा निवेदन है कि अब ऐलनाबाद का नाम नहीं काटा जाना चाहिए ओर इसकी तरफ वि ोश ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि पिछली सारी कसर पूरी हो जाए। अध्यक्ष, महोदय, अब मैं परिवहन के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। जिस समय हिसार डिपो था उस समय सिरसा सब–डिपों था। उस समय जितनी भी कंडम बसें थी वे

सारी की सारी सिरसा सब–डिपो को दे दी गई थी। जिन ड्राईवज्र और कंडक्टर्ज के खिलाफ ि ाकायतें थीं उनको भी सिरसा में भेज दिया। इस वजह से सिरसा जिले में बसों का बहुत बुरा हाल है। स्पीकर साहब, उसके बाद भी जब कभी बसों की अलाटमैंट होती थी तो सिरसा को पुरानी और कम बसें अलौट कर दी जाती थीं, नई बसें नहीं दी जाती थे। मेरी प्रार्थना है कि पिछला कोटा पूरा करने के लिए कुछ ज्यादा बसें सिरसा को दी जाएं स्पीकर साहब, मेरी कांस्टीचुएंसी में ऐलनाबाद और रानियां दो बड़े कस्बे पड़ते हैं। निकी आबादी 25–25 और 30–30 हजार के करीब है। लेकिन अफसोस अध्यक्ष महोदय इस बात का हे कि वहां बसें खड़ी होने के लिए तो जगह नहीं है लेकिन हैरानग की बात यह कि वहां पर रोडवेज की और से कोई चौकीदार तक नियुक्त नहीं किया गया है जो उनकी रखवाली कर सके। परिवहन मन्त्री महोदय बैठे नहीं है। लेकिन उप–मुख्य मंत्री जी बैंठे है। म। उनसे कहना चाहता हूं कि ऐलनाबाद ओर रानियां में सब–डिपोज बनने चाहिए ताकि लोगों को आने–जाने के लिए बसे ठीक ढंग से लिम सकें।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से सिचाई से सम्बन्धित कुछ बातें आई0पी0एम0 साहब के सामने रखना चाहता था लेकिन वे यहा पर बैठे नहीं है। मेरे आपके माध्यम से इस हाउस में यह कहना है कि जब इस प्रकार की बातें यहां हाउस के सामने डिस्कस हो रही हों तो लगभग सभी मन्त्रियों को यहां पर

उपस्थित रहना चाहिए ताकि उनको यह पता चल सके कि कौन विधायक किस बात के लिए कहता है।

उपमुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त): भागीराम जी मैं बैठा हूं । मैं बताऊंगा सारी बातें।

श्री भागी राम : गुप्त जी, आप कितनी बातें बताएंगे? ठीक है अध्यक्ष महोदय, मै जिक्र करना चाहता हूं कि मेरे हल्के में एक मल्लिका माईनर है उस पर सन् 1977 में काम चालू हुआ था। जब चौधरी भजन लाल आए तो उन्होंने इस काम को बन्द कर दिया और आज तक वह काम बन्द ही पड़ा है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से यह रिकवैस्ट हे कि इस माईनर के काम को जल्छी ही पूरा करवाया जाए। इसके साथ–साथ मेरा यह भी कहना है कि इसी बजट में से ज्यादा से ज्यादा पैसा खजाना मंत्री महोदय से लेकर के0आई0पी0एम0 साहब इस माईनर के काम को पूरा करने की चेश्टा करें।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर सर, ये विधान सभा में भी मेरे से कहलवाना चाहते है। वैसे मैनें इनकी पूरी तसल्ली कर दी थी। इनके काम जरूर करवाएंगे।

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदाय, इसी तरह से एक नहर ओटू से एस0जी0सी0 के नाम से निकाली गई है। उसके साथ–साथ एक और नहर काकाम चल रहा था लेकिन पता नहीं किन कारणों से उसका काम बन्द कर दिया गया। मैं आई0पी9एम9

साहब से यह रिकबैस्ट करूंगा कि इस नहर के लिए थोड़े से पैसे की आव यकता है। आव य ही इस नहर का काम पूरा करवा दिया जाए जिसके कारण उस इलाकें के लोग इनका गुणगान करें। 15–20 गांवों के लोगो को जब मैं जा करके बताऊंगा कि आई0पी0एम0 साहब ने यह काम करवा दिया है तो वे फूलों के हार लेकर भागेंगे ओर इनके गले में डालेंगे इनकी जय जयकार करेंगे। अगर यह काम न हुआ तो मै उनको कहूंगा कि आई0पी0एम0 साब ने यह काम नही किया तो आप ही बताए कि लोंगो को कितनी निरा ाा होगी और वे इनको क्या क्या कहगें। इसलिये मेरी इनसे रिक्वैस्ट है कि इस काम को अव य ही पूरा करवाया जाये। अध्यक्ष महोदय इसके बाद एक छोटी सी बात और कह कर मैं अपना स्थान लूंगा जो छोटा जमीदार है, जिसके पास केवल 10 एकड़ जमीन है, वैसे तो उसको नहर का पानी मिलता है लेकिन कुद जमीदारों ने नहर के पानी की कमी को देखते हुए अपने टयूबवैल्ज भी लगवा लिये है। ओर बिजली के कनैक ासनज भी ले लिये है। अगर कोई किसान अपने खेत को एक बार नहर का पानी लगवा लेता है और बाकी अपने टयूबवैलज से पानी देता रहे तेा उसको सारे साल का आबयाना और बिजली का बिल अदा करना पडता है जो कि उसके साथ बडी भारी ज्यादती है। इसलिए मेरा आई0पी0एम0 साहब से अनुरोधा है कि इस और खास ध्यान दे और ऐसे केसिज मे एक ही तरफ से किसनों से चार्ज किया जाये। दोनेा और से चार्ज करने के कारण किसान का काफी

नुकसान हो रहा है। इसलिये सरकार मरे इस सुझाव को ध्यान मे रखे हुए इसका कोई हल ढूढने की की कुपा करे।

इसके बाद मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहूगा। मेरी कास्टीच्यूएंसी मे एक हरि सिंह महाविधालय खोला गया था जो प्राईवेट कालेज है इस बारे मे सरकार से मेरी प्रार्थना है कि उस कालेज के आस पास के गावों की यह डिमाड है कि उसको सरकार अपने हाथ मे ले ताकि वहा पर ठीक ढग से पढाई हो सके। मै अर्ज करूगा कि सरकार उन गावों के लोगो की मांग की तरफ ध्यान दे। इसके इलावा मै यह भी निवेदन करना चाहूगा कि ऐलनाबाद मे सरकार एक जे0बी0टी0 ट्रनिंग सैटर भी जरूर खोले। हमारे पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर सदन मे नही बैठे है। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी सदन मे बैठे है मै उनसे निवेनदन करना चाहूगा कि ऐलनाबाद और रानियां दोनो बहुत बडे बडे कस्बे है वहां पर सरकार ने पी0डब्ल्यू0डी0 रेस्ट हाउस बनाने के लिए मजूरी दे दी है। मै निवेदन करना चाहूगा कि इस साल के बजट मे से उनको बनाने के लिए पैसा दिया जाए ताकि उन रैस्ट हाउसिज को बनाने का काम चालू हो सके। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मै सामान्य प्रा ासन के बारे मे एक बात कहना चाहूगा। मै किसी के विरूद्ध कोई बात नही कहता लेकिन जिन अधिकारियों को जीप बगैरहा मिली हुई है वे उनका इस्तेमाल मडी से टमाटर, आलू और दूसरी सब्जिया लाने चा अपने बच्चो को स्कूल मे छोडने के लिए यान अपने प्राईवेट कामो के लिए इस्तेमाल न करे।

इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री कुन्दन लाल भाटिया(फरीदाबाद): अध्यक्ष महोदय, हमारे उप मुख्यमंत्री ने ने जो बजट पे ा किया है वह बहुत ही सराहनीय बजट है और कर रहित बजट है। इस बजट के सभी वर्ग के लोगो को लाभ मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मै फरीदाबाद के बी0 के0 होस्पीटल के बारे मे एक बात कहना चाहूगा। वह होस्पीटल एक गुरद्धारो की जमीन का झगडा होने के कारण जल्दी नही बन सकता । मै इस बारे मे कहना चाहूगा कि होस्पीटल का और गुरद्धारो का केवल 200 गज जमीन के लिए झगडा है। उस जगह को छोड कर बाकी जगह पर डाक्टर्ज के रहने के लिए और होस्पीटल के लिए कमरे बना दिए जाए। इस के साथ साथ मै एक बात यह भी कहना चाहूगा कि बी0के0 होस्पीटल मे पिछले 10 दिन से पानी नही है टैकरो से पानी मंगवाया जा रहा है। मुझे बडे दुख के साथ कहना पडता है कि वहा पर टयूबवैल लगाने के लिए अढाई लाख रूपए का एस्टिमैंट सैक ाड है लेकिन वह टयूबवैल अभी तक नही लगाया गा है मै उप मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूगा कि वे उस होस्पीटल की तरफ ध्यान दे। इसके साथ साथ मै स्कूलो के बारे एक बात कहना चाहूगा । मे समझता हू कि स्कूलो के लिए बजट बहुत कम है। फरीदाबाद के अन्दर कई स्कूलो की छत टूटी पडी है लेकिन उनकी रिपेयर के लिए पैसा नही। इस लिए मै सरकार से निवेदन करूगा कि स्कूलो के बजट

को बढाया जाए। इस के साथ साथ मै यह भी कहना चाहूगा कि फरीदाबाद कम्पलैक्स का बजट भी बढाया जाना चाहिए। फरीदाबाद के अन्दर जब से सडके, नालियो और फुटपाथ बने है उसके बाद उन की तरफ आज तक कोई ध्यान नही दिया। गोचीड्रेंन से लेकर एन0आई0टी0 फरीदाबाद तक नालीयों की कभी भी सफाई नही की गई। इस के साथ साथ मै यह भी कहूगा कि फरीदाबाद के अन्दर 20 साल से जो फुटपाथ बने हुए है। उनको कभी भी रिपेयरिंग नही की गई। फरीदाबाद के अन्दर जितने भी पार्क बने हुए है मै समझता हू कि उनमे से 30 परसैट पार्क ठीक है और 70 परसैट पार्क ऐसे है जिनकी आज तक मेटीनैस नही की गई है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मंत्री श्री रामबिलास भार्मा, जी, एक बात यह कही थी की फरीदाबाद मे पानी का प्रबन्ध इस लिए नही हो सका क्योंकि यहा पर वाटर वर्कस के लिए जो जगह चाहिए थी वह खरीदी नही गई है। मै कहता हूं कि वहा पर जगह जल्दी से जल्दी खरीदी जाए ताकि पानी का प्रबन्ध हो सके।

आज फरीदाबाद के एन0आई0टी0 के किसी एरिया मे पानी नही है। मंत्री महोदय तो यहा पर कह रहे थे कि हम भाहरो मे 40 गैलन प्रति व्यक्ति पानी देत है लेकिन मै यह कहना चाहता हू कि वहा पर लगभग सभी एरिया मे पीने के पानी की बहुत ही दिक्कत हो रही हैं। और वहा पर पानी है ही नही। जब मेरे घर मे पानी नही है तो मै दूसरो के लिए क्या कहू।

अध्यक्ष महोदय, सदन मे स्वास्थय मत्री महोदय ने बताया था कि फरीदाबाद जिले को 5 लाख रूपए की दवाईया दी है। मै इन्हे बताना चाहूगा कि पहले फरीदाबाद जिले के लिए 10 लाख रूपए की दवाइया आती थी और इन मे से 5 लाख रूपए की दवाई अकेले बी0के0 हस्पताल के लिए आती थी। इस बारे मे मेरी सरकार से मांग है कि इस बजट को भी बढाया जाये और वहां पर दवाइयां के लिए अधिक पेसे की व्यवस्था की जाये। साथ ही साथ मै यह भी कहना चाहूगा कि बी0के0 हंस्पताल आज से 30–35 साल पहले 200 बैडज का बना था। उस समय वहां की आबादी केवल 30–35 हजार की थी। आज के दिन वहा की आबादी 10 लाख से ज्यादा हो चुकी है। इसलिए मेरी मांग है कि वहा पर बी0के0 हस्पताल की बैडज कैपेसिटी को बढाया जाये और दवाईयो का अधिक इतजाक किया जाये।

अध्यक्ष महोदय, मै यह भी अर्ज करना चाहूगा कि फरीदाबाद के अन्दर तथा हरियाणा के अन्य भाहरो के अन्दर भाराब के ठेके की बोली 10–10 लाख रूपये तक जाती है। इस बारे मे मै बताना चाहूगा कि कोई भी भाराब का ठेकेदार जितने रूपये की बोली देता है उतनी भाराब सरकार ने नही उठाता जिसकी वजह से कर की चोरी होती है। ऐसे ठेकेदार न0 2 की भाराब ला कर उसी ठेके से बेचते है जिसकी वजह से सरकार को जितना रैवैन्यू आना चाहिए वह नही आ पाता।

स्पीकर साहब, अन्त मे मै एक बात यह कहना चाहूगा कि फरीदबाद के अन्दर ताराचन्द सलूज एड सन्ज ने अपना पैट्रोल पम्प लगाया हुआ है। वह वहा पर काफी हेरा फेरी करता है। यह सरे आम कहता है जो भी सरकार आयेगी वह मेरी जेब मे होगी । मै आप के जरिए उसे बताना चाहूगा कि चौधरी देवी लाल की सरकार उसकी जेब मे नही है इतनी बात कहते हुए मै अपना स्थान लेता हू।

श्री टेक चन्द(नरवाना): अध्यक्ष महोदय, हमारे वित्त मंत्री महोदय ने वर्श 1988–89 के बजट के सम्बन्ध मे जो एप्रोप्रिए ान न0 2 बिल रखा है मे उसका समर्थन करता हूं। हमारे योग्य वित्त मंत्री जी ने बडी सूझ बूझ के साथ इस बजट को रखा है। 1986–87 का बजट 585 करोड रूपए का पिछली कांग्रेस सरकार ने बनाया था। उसमे उस समय 44 करोड रूपये का घाटा दिखाया था। फिर अगला बजट बनाया जिसमे 34 करोड रूपये का घाटा दिखाया था। हमारे वित मंत्री जी ने यह बजट बडी समेझदारी के साथ बनाया और 34 करोड रूपये के घाटे मे से 3 करोड के घाटे को छोडकर 31 करोड के घाटे को पूरा किया। हमारी सरकाद से सरकारी कर्मचारियों को नए वेतनमानो के आधार पर पे देने के लिए 139 करोड रूपये भी खर्च किए है। इसक के अलावा बुढापा पैन् ान दिए जाने पर भी सरकार का खर्चा बढा है और कर्जा माफी से भी सरकार का खर्चा बढा है। मै समझता हू कि हमारे वित्त मंत्री जी ने बडी सोच समझ के साथ साधन जुटा कर इस

बजट को पे ा किया है और जो खर्चा सरकार पर पडा था उसको ठीक प्रकार से पूरा करने की कोि ा ा की। हमारे वित्त मंत्री जी ने वर्श 1988–89 का 600 करोड रूपये का बजट रखा है। इसमे से 285 करोड रूपये सिचाई और बिजली के लिए रखे गए है। सरकार ने तो अपनी तरफ से समाज कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा पैसा की व्यवस्था की है लेकिन इसके साथ साथ मे समझता हू कि ि ाक्षा, चिकित्सा सेवाए और इन्डस्ट्रीज की तरफ जितना ध्यान सरकार का जाना चाहिए था, उतना नही गया। हमारी सरकार की ि ाक्षा, चिकित्सा और इन्डस्ट्रीज की तरफ वि ोश ध्यान देना एक जिम्मेवारी बननती है। जहा तक चिकित्सा की बात है आज के दिन एक व्यक्ति के लिए साल मे 1 रूपए 40 पैसे खर्च किए जाते है। चिकित्सा के लिए अढाई करोड के आसपास ही बजट रखा गया हैं वह बडा ले ामंात्र बजट है, इसे बढाया जाना चाहिए। इसके अलावा इन्डस्ट्रीज के लिए सरकार ने 20 करोड रूपये रखे है। मै यह समझता हू कि इस रा ि ा को भी बढाया जाये। सरकार को समाज कल्याण और सैल्फ एम्पलायमैट की तरफ ज्यादा ध्यान देना चाहिए, ताकि जो बेरोजगार व्यक्ति है वे स्माल स्केल इन्डस्ट्रीज लगा सके और सैल्फ एम्पलएमैंट स्कीम के तहत लोगो को रोजगार मिल सके।

जहा तक ि ाक्षा की बात है, ि ाक्षा मंत्री महोदय इस समय हाउस मे नही है लेकिन मै यह अर्ज करना चाहगा कि आप्रे ान ब्लैक बोर्ड स्कीम के तहत प्राईमरी स्कूलो मे केवल 66

अध्यापको की एडी ानल पोस्टे बढाने की मन्जूरी दी गई है। इसी प्रकार मे केवल 100 प्राईमरी स्कूल बढाना कोई ज्यादा बडी बात नही है क्योकि जब जब कोई इन्जीनियरिंग कालेज, मैडिकल कालेज ओर टैक्नीकल इन्सटीच्यू ान नही खोला जायेगा तब तक हमारे प्रान्त का भला नही हो सकता। इसलिए इस लाईन पर तरक्की होनी जरूरी है मैडीकल और इन्जीनियरिंग साईड पर स्टेट की डिवैल्पमैट होना बहुत जरूरी है जब तक हमारी स्टेट के नौजवान पढ लिख कर डाक्टर या इन्जीनियर नही बनेगे तक तक प्रान्त की उन्नति नही हो सकती । इसलिए मेरी प्रार्थना है कि इन्जीनिरिंग कालेज, मैडीकल और दूसरे इन्स्टीच्यू ान की इस बजट मे व्यवस्था की जाये ताकि स्टेट की डिवैल्पमैट हो सके।

कुछ बाते मै इन्डस्ट्री के बारे मे कहना चाहता हूं कि पब्लिक सैक्टर मे इन्डस्ट्री लगाने के बारे मे इस बजट मे कोई बात नही आई है कि हम पब्लिक सैक्टर मे कोई इन्डस्ट्रीज लगायेगये। एक दो पब्लिक सैक्टर मे इन्डस्ट्रीज लगाई हुई है वे भी फेल होती जा रही है। जिस प्रकार जीन्द मे हरियाणा टैनरी की बात है और हिसार मे कनकास्ट की बात है। कनकास्ट भी घाटे मे चल रही है और हरियाणा टैरनीज भी घाटे मे चल रही है। सूना है हरियाणा टैनरी को तो बन्द किया जा रहा है। हरियाणा टैनरी एि ाया मे दूसरे नम्बर की चमडे की फैक्टरी है उसे सरकार बन्द करने जा रही है। कुछ बडे लोगो ने साजि ा रच कर ऐसा किया है सरकार इनको लिबर्टी भू वालो को बेचना

सोच रही है आपको पता है कि इस फैक्टरी के बन्द होने से कितने ही मजूदर बेकार होगे। यह फैक्टरी बहुत बढिया किस्म का माल बनाती है। इस फैक्टरी का चमडे का सामान विदे ा मे भी जाता है। दूसरे दे ाो से इसके माल की कई बार मांग आई है। जब हमारी सरकार वर्किग कैपिटल ही उसे नही दे रही है तो इस फैक्टरी मे कर्मचारी या मजूदरो का क्या कसूर है। वे किस तरह से इसको लाभ मे ला सकते है।

अब मै अपने हल्के के बारे मे कुछ बाते अर्ज करना चाहूगा। नरवाना हल्के के पहले मत्री होते थे लेकिन वह फिर भी पिछडा रहा है। जीन्द जिले के बारे मे एक बात कही जाती है कि वहा के तीन तीन मंत्री होते थे, इसलिए अब वहा काम करने की जरूरत नही है। लेकिन मै अपने साथियो और मंन्त्रियो को यह बताना चाहता हू कि अगर यहा पर वे मंत्री बढिया काम करते तो वहा से हारते नही वहां से कोई 28 हजार वोटो से हारा है तो कोई 22 हजार वोटो से हारा है। वे लोग इसी वजह से हारे है कि उन्होने डिवेल्पमैट का काम नही किया। नरवाना मे आज तक एम0ए0 की क्लासिज नही है और न ही वहां पर कोई पोलिटैक्नीक है। नरवाना मण्डी मे भौडज बनाने की व्यवस्था की गई थी लेकिन वे अभी तक नही बने है। इसी प्रकार मे गढ गांव मे उप मंडी बनानी थी, लेकिन वह भी अभी तक क्यो नही बनाई गई है। उन मंत्रियों के रहते हुए अब भी वहां पर बहुत से काम अधुरे पडे हुए है इसलिए मै स्थान ग्रहण करने से पहले यह कहूगा कि जिला

जीन्द काग्रेस का गढ रहा है अगर हमारी सरकार जिला जीन्द से आखे मीच लेगी तो इसका रिजल्ट अच्छा नही रहेगा। धन्यवाद।

श्री जगपाल सिंह चौधरी(नारयणगढ): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा एप्रोप्रिये ान न0 2 बिल के समर्थन मे बोलने के लिए मै खडा हुआ हूं। मै अपनी टिप्पणियो द्धारा सरकार का ध्यान कुछ बातो की और दिलाना चाहता हूं मांग न0 3 के बारे मे मै कहना चाहूगा कि भाजादपुर मे जो पुलिस चौकी हे वहा सांप बहुत निकलते है। जिससे पुलिस कर्मचारी काफी परे ाान रहते है इस समस्या का समाधान करने के लिए सकरार कोई प्रभाव ाली पग उठाए ं अब मै डिमाड न0 6 जो फाईनैस डिपार्टमैन्ट से सम्बन्धित है के बारे मे बोलाना चाहता हूं जितने भी डिवैल्पमैन्ट वर्कस होते है, उनके चालू रहने के लिए लैटर आफ क्रेडिट की जरूरत होती है मै सरकार से अनुरोध करूगा कि इस साल हर डिपार्टमैंट को एल0ओ0सी0 मिलता रहे ताकि काम ठीक प्रकार से चलते रहे। डिमाड न0 8 के बारे मे मै अर्ज करना चाहूगा कि यमुना नगर के पास एक पुराना ब्रिज है जो उत्तर प्रदे ा राज्य की सीमा के साथ लगता है। यह पुल सिंगल लेन का है। जिस के कारण वहा काफी एक्सिडैन्टस होते रहते है। मै सरकार से गुजारि ा करूगा कि इस पुल को डबल लेन किया जाए। सन 1982 के अन्दर पिछली सरकार ने सभी क्षेत्रो मे लिक रोडज दी थी। मै यह कहना चाहूगा कि जिस ऐरिया मे अभी तक लिक रोडज की सुविधा नही है वहा लिक रोड की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। रायपुर रानी

और गोबिन्द पुरा के बीच एक ब्रिज बनाया जाना है। मै सरकार से गुजारि ा करूगां कि इस पुल से लाभ मिल सके। अब मै डिमाड नम्बर 9 पर अपने विचार प्रकट करना चाहूगा। इस बारे मे मेरा कहना चाहता हू कि अम्बाला भाहर मि ानरी अस्पताल के साथ जो सिविल अस्पताल बनाया जा रहा है। उसे जल्दी से जल्दी पूरा किया जाएं। मांग न0 11 अर्बन डिवैल्पमैट से सम्बन्धित है इस बारे मै सरकार से प्रार्थना करूगा कि नाराणगढ मे भी हुडडा की तरफ से कालोनी का निर्माण किया जाए क्योकि नारायणगढ मे कोई भी कालोनी अभी तक नही बनाई गई है। मांग न0 13 रिहैबिलिटे ान डिपार्टमैट से सम्बन्धित है। अध्यक्ष महोदय, वर्श 1985 मे सुप्रीमकोर्ट ने एक फैसला किया था कि मलकीयत जमीन जो है वह पचायत की होगी। इस बारे मे मैने पिछले सै ान मे एक सवाल पूछा था और अब भी सवाल पूछा है लेकिन मेरे सवाल का जवाब नही आया। मेरे सवाल का जवाब ने मिलने का कारण सम्भवत यह है कि इस मे बडे बडे वी0आई0पीज0 भाामिल है। मै चौधरी हुक्म सिह जी से प्रार्थना करूगा कि जो सवाल मैने इस बारे मे किया है उस और भी ध्यान दिया जाए और वाछित कार्यवाही भीघ्र की की जाएं डिमाड न0 15 के बारे मे मै सरकार से अनुरोध करूगा कि हथनी कुण्ड बैरेज के लिए एक करोड रूपये की जो रा ि ा दी गई है वह काफी कम है। मै चाहूगा कि इस रा ि ा को एक करोड रूपये से बढा कर दो करोड रूपये कर दिया जाए ताकि कुछ काम हो सके। प्राईवेट कैपटिव प्लांट और ऐटोमिक पावर प्लांट जो कि नाथूसरी मे तकरीबन तकरीबन

सैक ान्ड है इन्हे परस्यू किया जाए ताकि एनर्जी को ज्यादा से ज्यादा बढावा मिले। भोरले मे जो सिमेट फैक्टरी बनाना प्रस्तावति है वह फैक्टरी भी भीघ्र ही बनाई जानी चाहिए। यह फैक्टरी कही पेपरो मे ही बनी रहे। इस फैक्टरी के बन जाने से कालका और नारयणगढ के हल्के के लोगो को बहुत लाभ होगा। अग मै मांग न0 17 जो कृशि से सम्बन्धित है पर अपने विचार प्रकट करना चाहूगा। नारयणगढ और छछरौली के एरिया मे सायल कन्जरवे ान के कारण दहाड बहुत ज्यादा है मै सरकार से अनुरोध करना चाहूगा कि इन इलाकों मे सायल कन्जरवे ान ज्यादा से ज्यादा इन्तजाम होना चाहिए। मांग न0 20 के बारे मे मै कहना चाहूगा कि अर्ध पहाडी क्षेत्र मे जो छोटे छोटे डैम बने हुए है। उनके विकास के लिए ज्यादा पैसे का प्रावधान होना चाहिए। अब मै ट्रांसपोर्ट के बारे मे अपने विचार प्रकट करूगा। इस बारे मे मेरी सबमि ान यह है कि हरियाणा सरकार ने जो मिनी बसे खरीदी है या खरीदी जानी है उनमे से ज्यादा बसे सब माउनटेनियस एरिया मे दी जानी चाहिए क्योंकि वहा बरसाती नदी नाले काफी पडते है। और बरसात के दिनो मे इन मे पानी आ जाने के कारण बडी बसे आसानी मे नही गुजर सकती कि छोटी बसे आसानी से गुजर जाती है। अब मै मांग नम्बर 24 जो कि टूरिज्म से सम्बन्धित है कि बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहूगा चण्डीगढ से पौटा साहब के लिए बसे नारयणगढ और नाहन से होती हुई जाती है। यह सडक ने ानल हाईवे है मै सरकार का ध्यान इस और दिलाना चाहता हू कि इस ने ानल

हाईवे से लोग पौटा सहब के अतिरिक्त मसूरी भी जाते है लेकिन रास्ते मे हरियाणा टूरिज्म का कोई भी काम्पलेक्स नही बना हुआ है इस बारे मे सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इस ने ानल हाईवे पर रास्ते टूरिस्ट काम्पलैक्स अव य बनवाया जाए ताकि यात्रियों को इससे सविधा हो सके। धन्यवाद।

चौधरी श्री कृश्ण हुडडा (किलाई): अध्यक्ष महोदय मै विनियोग विधेयक न0 2 और 22 तारीख को वित मंत्री जी दवारा प्रस्तुत किए गए बजट का समर्थन करता हू ?। मै नही बल्कि सारे हरियाणा की जनता इस बजट का समर्थन करते है। इसका कारण यह है कि पिछले चालीस साल मे जो काग्रेस की सरकारे या उन्होने कभी भी ऐसा बजट पे ा नही किया। हमारे आदरणीय चौधरी देवी लाल जी ने दो चार ऐताहासिक फैसले किए जो कि बहुत अहम फैसले है जैसे वृदधावस्था पैन ान और कर्जा माफी का फैसला है इससे हिन्दुस्तान के मजदूर, किसान और छोटे दुकानदार यह समझने लग गए है कि अगर हिन्दुंस्तान मे कोई गरीब की हितैशी सरकार है तो वह चौधरी देवी लाल की सरकार है। हरियाणा की जनता भी यह समझती है कि हरियाणा मे मजदूर, किसान और छोटे दुकानदार की सरकार है। अध्यक्ष महोदय, मै आपका ध्यान प ाु पालन की और दिलाऊगा । प ाु धन से ही असली मायनों मे किसान की प्रगति हो सकती है इसलिए इस तरफ सरकार को पूरा ध्यान देना चाहिए। कई जगह पर सरकार प ाुओ की दवाई देती है, वह बेच जाती है। सोनीपत

मे कई लाख रूपया की दवाई बेची गई। मे चाहूगा कि ऐसे मुलाजिमो और अफसरों के साथ सख्ती से निपटा जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै आपका ध्यान अपने इलाके की और दिलाना चाहता हूं जिला रोहतक की काग्रेस हमे ाा विरोधी रही है और पिछले बीस सालों मे राजनैतिक तौर पर प्रगति मे उसकी हमे ाा उपेक्षा होती रही। मै चौधरी देवी लाल जी का ध्यान रोहतक जिले की और दिलाऊगा कि लोक दल पार्टी का असली मायनो मे रोहतक जिला है। इसलिए आदरणीय चौधरी देवी लाल जी को इस प्रगति के लिए वि ोश ध्यान देना चाहिए । धन्यवाद।

श्री केलाथ चन्द्र भार्मा नारनौलः आदरणीय अध्यक्ष महोदय मै सब से पहले आदरणीय वित्त मंत्री और उपमुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हू कि उन्होने इस प्रकार का बजट हरियाणा की जनता के सामने रखा है। वास्तव मे बजट मे किसी भी सरकार की नीति और नियत का दयोतक हुआ करता हैक। इस बजट से साफ जाहिर कि कि यह सरकार जन कल्याण पर ध्यान देने वाली सरकार है। अध्यक्ष महोदय, आपने समय की पाबन्दी लगा रखी है। इसलिए मै वि ोश रूप से अपने जिले की बाते उप मुख्यमंत्री और ि ाक्षा मंत्री जी के सामने रखना चाहूगा। यह बात हम सब लोग स्वीकर करते है कि महेन्द्रगढ जिला अब से पहले उपक्षित रहा है। इसलिए उसको पिछडा क्षेत्र भी कहते है। मै समझता हू कि बजट मे और डिमांडज मे पैसे का वितरण इस

प्रकार से होना चाहिए। नारनौल डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है लेकिन वहा आज तक ि ाक्षा की उपेक्षा होती रही है यह बडी चिन्ता का विशय है । मैने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर बोलते हुए भी निवेदन किया था कि वहां पर गर्ल्ज कालेज की बहुत पुरानी प्रोब्लम है आदरणीय उपमुख्यमंत्री जी ने यह तो स्वीकार कर लिया कि वहा लडकियो की क्लासे अलग लग रही है परन्तु वे हमे यह भी आ वासन दे कि आने वाली सत्र से लडकियो के लिए प्रिसीपल और स्टाफ की अलग से व्यवस्था की जाएगी। वहा पर छ सौ लडकिया ि ाक्षा ग्रहण कर रही है। वहा आस पास के एरिया मे कोई और गर्ल्ज कालेज नही है। अध्यक्ष महोदय इसके बाद मै हमारे श्रम मंत्री जी से प्रार्थना करूगा कि उनको भी क्रान्तिकारी कदम उठाने चाहिए। हरियाणा मे जहा इडस्ट्रियल एरियाज डिवैल्प हो रहे है वहा मजदूरो के लिए कोई व्यवस्था नही है। इसलिए जहा जहा फैक्ट्रिया लगती है उनके आस पास झुग्गी झोपडीया बनाने भुरू हो जाती है। मेरा निवेदन है जहा पर बडी इडस्ट्री लगे उन पर यह कडी ानहोनी चाहिए कि वह इडस्ट्री के साथ साथ मजदूरो के लिए क्वार्टर भी बनाएगे यानी उनके रहने की व्यवस्था भी करेगे। आम तौर पर देखा गया है कि फैक्ट्रियां मे काम करने वाल मजदूर काम के बाद जब बाहर निकलते है तो उनको सिर छिपाने के लिए जगह नही होती इसलिए वे आस पास झुग्गी झोपडियां बना लेते है साल छ महीने के बाद उस जगह को खाली करने की समस्या खडी हो जाती है जिस वजह से उनको वहां से अपनी झोपडियों उठानी पडती है। मै

हुडडा के बारे मे कहना चाहता हू कि वह जैसे फरीदाबाद के अन्दर इडस्ट्रीज के लिए काम कर रहा है वहा वह मजूदो के रहने के लिए व्यवस्था करे। मजदूरो के लिए कालोनीज बनाई जाए ताकि वे भी अलग अपना जीवन निवोह कर सके।

अध्यक्ष महोदय, समाज कल्याण के विशय मे इस सरकार ने बहुंत क्रान्तिकारी कदम उठाया है यह ऐताहासिक कदम है जो हरियाणा के बुजुर्ग महसूस करने लग रहे है। वास्तव मे यह राज अब जनता का राज आया है हरियाणा के खजाने मे हमारा भी कोई हिस्सा है आज वे यह महसूस कर है । मै यह समझता हू कि इस सरकार ने क्योकि जल्दबाजी मे यह आ वासन पूरा किया है इसलिए इसमे कुछ कमियों भी रह गई है मेरा कहने यह है कि जो कमियों रह गयी है उनको तुरन्त पुरा कर दिया जाना चाहिये। एक जो सबसे बडी कमी है वह यह है कि विधवाओ की पै ान मे कमी रह गयी है विधवा हमारे समाज पर एक जिम्मेवार है उसका पालन पोशण ठीक होना चाहिए। विधवाओ को भी पै ान प्राप्त करने के लिए अगल से फार्म भरना पडता है। फार्म भरने के बाद काफी समय तक उनको इन्तजार करना पडता है मै आपके माध्यम से उप मुख्य मंत्री महोदय से यह प्रार्थन करूगाा कि जब गांव के अन्दर 65 सालन के उपर के लोगो को पै ान देने के लिए कोई टीम फार्म भराने के लिए जाये तो उस दिल्ली जितनी भी गांव के अन्दर विधवाए हो, उनको फार्म भी भरवा लिये जाये। उनको अलग फार्म न भरने पडे। दूसरी बात यह है कि उनकी पै ान जो

आजकल 50 रूपये है इसको बढा कर कम से कम 100 रूपये कर दिया जाये। वे भी हमारे समाज का एक अंग है इसके साथ विकालोगो के मामले मे भी यहा बात है विकलाग तो इस मामले मे और भी मजबूर होते है वे बेचारे डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर आ जा भी नही सकते। मै अपने साथ बैठे आनरेबल सदस्य का धन्यवाद करता हू कि उन्होने मुझे समय पर यह याद करवा दियां यह भी महत्वपूर्ण बात थी जो रह जानी थी। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मास्टर भी यहा पर बैठे है। अभी तक भी कई गांव ऐसे है जिनकी पचायतो का पुनगर्ठन किया जाना जरूरी है। मेरा कहना यह है कि एक गांव के साथ चार और पांच ढाणिया लगी हुई है। उन ढाणियों की अलग से पचायत बन सकती है। मेरे हल्के के अन्दर कुछ ऐसे गांव है। उनकी भी अलग से पचायते बन सकती है। अध्यक्ष महोदय क्योकि यह एक महम्वपूर्ण मामला है इसलिये मै अपने मंत्री महोदय से यह प्रार्थना करूगा कि वे इस और ध्यान दे । आ0पी0एम0 साहब इस समय सदन मे बैठे नही है लेकिन मै उन्हे अपने जिले की और से बधाई देना चाहता हू कि उन्होने इस बार हमारे जिले की नहरो मे इतना पानी दिया है जो आज से पहले कभी नही मिल था। इसके लिए हम उनको दिल से बधाई देते है अध्यक्ष महोदय, मै एक दो बाते कह कर समाप्त कर दूगा। एस0वाई0एल0 का पानी जब आयेगा, तभी हमारे यहा पर भी आयेगा लेकिन हमारे इलाके मे जो जवाहर लाल नेहरू कैनाल बनी हुई है उसके 68 पम्पे हाउस बनने हैं । 22 पम्प हाउस बन कर तैयार हुए पडे है। मै अपनी सरकार से यह प्रार्थना करूगा कि वह

इन तैयार पडे पम्प हाउसिग को जल्दी से जल्दी बिजली के कनैक ान दे ताकि हमारे इलाके को पानी मिल सके। हमारे बहुत से नौजवान साथियो ने इसी सै ान मे भ्रश्टाचार की बात की है हमारी सरकार को भी यही नारा था भ्रश्टाचार बन्द और पानी का प्रबन्ध । हम यह बात कम स कम अपने सदन के सदस्यो पर तो लागू कर सकते है। भ्रश्टाचार के बारे मे अफसरो के खिलाफ कार्यवाही होने पर हम लोग ही दबाव डालते है मै यह कहना चाहूगा कि विधायको के लिये यह कम्पलसरी कर दे कि वे यह फार्म भरे कि उनकी अपनी सम्पति क्या है उनकी पत्नियों के नाम कितनी सम्पति है हम एम0एल0एम0 से इस काम का श्री गणे ा करे। जब कोई एम0एल0ए0 बनता है तो उस समय उसका सोर्स आफ इन्कम क्या था, अगर उसके साथ उसका बडा बच्चा भी रहता है और वह नौकरी वगैरा मे है, तो उसकी इन्कम भी डिक्लेयर करे, उसकी पत्नी की भी अगर वह नौकरी वगैरा मे है, तो उनकी इन्कम भी डिक्ल्यरे केरे उसकी पत्नी को भी अगर हम जनता के सामने भ्रश्टाचार हटाने की बात करेगे तो उसका ज्यादा असर होगा। हमे इस बारे मे नियम बना देना चाहिये कि जब भी कोई एम0एल0ए0 बन कर आये तो वह यह डिक्लेरे ान करे। अन्त मे मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

आवाजेः स्पीकर साहब, हमको भी समय मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः प्रिसीपलां एक फैसला हो गया था कि जो बजट और डिमाडज पर बोल चुके है वे इस बिल पर नही बोलेगे। आप कृपया बैठिए। अब गुप्ता साहब बोलेग।

उप मुख्यमंत्री श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आज विनियोग विधेयक पर चर्चा चल रही है। मेरे माननीय साथी इस पर बोले है और जो वे बाले उनमे वही बाते अधिक थी जो पहले माननीय सदस्यो ने अपने अपने क्षेत्र के बारे मे की थी। प्रत्येक विधायक यह चाहता है कि जब भी उसे अवसर मिले, चाहे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर मिले चाहे बजट के जनरल डिस्क ान पर मिले, चाहे डिमाडज पर मिले और चाहे विनियोग विधेयक पर मिले, वह बोले और अपने हल्के की बात करे। इसलिए माननीय सदस्यो ने अपने अपने क्षेत्र की बहुत बाते की। अध्यक्ष महोदय, उनका यह कर्ताव्य है। उनको अपनी बाते रखनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, कुछ हमारे ऐसे माननीय सदस्य है जिन्होने बहुत अच्छे सुझाव भी दिए है। हमारे उपाध्यक्ष महोदय, श्री मलिक साहब, ने जहा अपने हल्के की बात की वहां कुछ अच्छे सुझाव भी दिए है। स्पीकर साहब, जहा तक बेरोजगारी की बात है वास्तव मे यही एक बडी गम्भीर समस्या है। जब से यह अधिवे ान भाुरू हुआ है। तब से हमारे अनेक माननीय सदस्यो ने इस समस्या पर प्रका ा डाला है और सरकार का ध्यान आकर्शित किया है अध्यक्ष महोदय, मै सदन को बताना चाहता हू कि सरकार इस समस्या के प्रति पहले ही जागरूक है और यह चाहती है कि

बेरोजगारी को समाप्त किया जाए। परन्तु अध्यक्ष महोदय, सरकार की लिमिटे ांज है कुछ मर्यादाएं है। उन बाधाओ और उन मर्यादाओ के रहते हुए सरकार बेजोजगारी का पूरी तरह उन्मूलन कर पाने मे अपने आपको असमर्थ समझती है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सदन को यह वि वास दिलाना चाहता हू कि सरकार बेरोजगारी को प्रदे ा से समाप्त करने के लिए जितने सम्भव उपाय है वे सब प्रयोग मे लाएगी और इस दि ाा मे पूरा काम करेगी । मलिक साहब ने यह बिल्कुल सही कहा कि हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है और यहा किसानो की सख्या ज्यादा है किसानो के लिए कोई सहायक धन्धा होना चाहिए और वह सहायक धन्धा प ाुपालना हो सकता है। प ाुपालना की नसल सुधारने की और वि ोश ध्यान दिया जाना चाहिए। डा0साहब ने कहा कि यदि हम आधुनिक तरीको को काम मे लाएं तो हमारे हरियाणा की मुर्रा भैस और हरियाणा नसल की गाय विदे ाी नसल गायो से ज्यादा दुध दे सकती है। डा0 साहब ने और मलिक साहब ने कहा कि ''हरियाणा जहा दूध दही का खाना'' स्पीकर साहब, हरियाणा ही नही बल्कि सारे भारतवर्श के बारे मे कहा जाता था कि यहा दूध की नदियां बहती थी लेकिन मुझे अफसोस है कि हरियाणा मे नही हिन्दुस्तान मे नही बल्कि विदे ाो मे दूध की नदियां बहती है।

हमारी गांय बडी मु कल से 10 किलो दूध देती है और विदे ाो की गाये 30,40,50 बल्कि मेरे साथी बता रहे है कि

90–90 लिटर तक दूध देती है। ये अध्यक्ष महोदय, यहा सदन के माननीय सदस्यो को यह बतलाना चाहता हू कि इस और सरकार का पहले से ही ध्यान है और जो सुझाव डाक्टर महासिंह जी ने और मलिक साहब ने दिये है उन पर भी अव य ही ध्यान दिया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मलिक साहब ने बोलते हुए भ्रश्टाचार के विरोधी मे काफी कुछ कहा कि भ्रश्टाचार को समाप्त किया जाना चाहिए और इसक लिए अच्छे सुझाव भी यहांदसदन मे दिय। उनकी बात सही थी हम महसूस करते है कि चोरी की क्यो मारी, चोरी की मां का मारो। उन्होने कहा कि अगर हमने भ्रश्टाचार को समाप्त करना है तो भ्रश्टाचारी लोगो को, चाहे कोई व्यापारी हो, चाहे कोई उधोगपती, चाहे अधिकारी हो चाहे किसी भी वर्ग वि ोश से सम्बन्धित क्यो न हो उनकी तरफ सरकाद को पूरा ध्यान देना चाहिए और उन के ऊपर छापे मारने चाहिये। मै उन्हे वि वास दिलाता हू कि हम जो भी इस के लिये कर सकेगे, करेगे। साथ मे उन्होने यह भी कहा कि उन अधिकारियो की प्रोपर्टी को भी देखा जाए कि नोन प्रोपर्टी कितनी और अन नोन प्रोपर्टी कितनी है। सरकार इसके लिए पहले से ही सतर्क है।

अध्यक्ष महोदय, इस के साथ साथ जीन्द के बारे मे भी कहा गया कि लगभग अढाई साल तक चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व मे हरियाणा के हितो की रक्षा के लिये सघर्श चला और उस सघर्श मे हरियाणा के सारे जिलो को योगदान रहां वि ोश

रूप से जीन्द का जो योगदान था, वह बहुत अच्छा और सराहनीय था। वहां पर एक ऐतिहासिक सम्मेलन हुआ। उसका नाम था समस्त हरियाणा सम्मलेन। ऐसा सम्मेलन हमारे अकाली भाई भी करते है जिसे सरबत खालसा कहते है। यह उससे भी बडी भारी सम्मेलन हमारे था मै समझता हू हरियाणा मे तो क्या सारे हिन्दुस्तान मे इतने आदमी आज तक इकटठे नही हुए थे जितने जीन्द के अन्दर समस्त हरियाणा सम्मेलन था। हमारी दृश्टि मे जीन्द जिला एक ऐताहासिक स्थान है और वहां पर ही यह न्याय युद्ध आरम्भ हुआ था। अध्यक्ष महोदय, आप यह जानते है कि यह जीन्द का स्थान कुरूक्षेत्र की भूमि मे है वैसे भी ऐताहासिक दृश्टि से यह बडा ही महत्वपूर्ण और भाानदार स्थान है। लेकिन इस सघर्श के लिहाज से जीन्द और भी बडा भारी स्थान बन गया है। इसलिए सरकार अव य ही जीन्द जिले की तरफ हर तरफ से ध्यान देगी।

जुलाना मे एक हस्पताल के बारे मे मलिक साहब ने कहा। सरकार का पहले इस और ध्यान है। इसके साथ साथ मलिक साहब ने जीन्द मे हुई वकीलो की हडताल के बारे मे भी जिकर किया कि वहां पर वकीलो ने उपर जो उस वक्त मुकदमे बने थे, वे आज तक वापिस जी हुए। मै उनको आ वासन दिलाना चाहता हू। वे सभी केसिज को हमारे नोटिस मे लांए और हम मैरिट से उन सब केसिज पर विचार करेगे। जो नायाजन केसिज होगे उनको हम विदड्रा करेगे।

इसी तरह से सिचाई से सम्बन्धित भी कई बाते यहां पर रखी गई है और एक भाम ाान का मामला भी यहा चर्चा का विशय रहा। मलिक साहब की ये सारी मागे जायज है। उन पर सरकार ध्यान देगी।

डाक्टर महासिंह जी ने प ा पालन के सम्बन्ध मे बडे अच्छे सुझाव दिये और बहुत अच्छी अच्छी बाते प ा पालन से सम्बन्धित यहां पर कही, जिनका मै पहले ही जिकर कर चुका हूं उन्होने कहा कि दूध के भाव अच्छे होने चाहिय। इस बात को भी मै मानता हू कि दूध के भाव अच्छे होने चाहिए जिससे प ा पालन का धन्धा और उभरेगा नही तो प ापालना का धन्धा लोग छोड देगे। इसलिए उनका यह सुझाव बहुत अच्छा है इस पर गौर किया जाएगा।

इसी तरह से चिकित्सा के सम्बन्ध मे भी कुछके बाते यहा सदन के सम्मुख रखी गई है। इस समय आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, ऐलोपैथी व प्राकृति चिकित्सा इत्यादी की प्रणालियों है। जो ऐलोपैथी की दवाइया है वे सब से महगी पडती है डाक्टर महासिंह जी ने कहा कि ऐटीबायटिक ड्रग्ज जहा एक जीवाणु को ठीक कर देती है। उसके साथ साथ 10 जीवाणुओ को खराब भी कर देती है यह उनकी बात सही है। ऐलोपैथी मे कोई भी ऐसी मैडिसन नही जिसका रिएक ान न होता हो । लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी हवा चली है कि कोई भी व्यक्ति आयुर्वेदिक दवाई लेने के लिए तैयार नही है। यदि किसी व्यकित को कोई गोली दी जाए

तो वह कहेगा मुझे सूई लगा दो। आज लोगो के मन मे ऐसा भाक हो गया है कि उनका बिना ऐलोपैथी के इलाज नही होगा। इसलिए इस पैथी पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। आयुर्वेदिक का सस्ता ईलाज है । प्राकृतिक चिकित्सा मे तो कई दवाई लेनी ही नही पडती और इसका बहुत प्रभाव ाली असर होता है। यह बात जरूर है कि भारीर को कुछ कश्ट उठाना पडता है और थोडा समय ज्यादा लगाना पडता है। मै तो यह कहूगा कि प्राकृतिक चिकित्सा जैसी कोई दूसरी प्रणाली है ही नही। अनेको रेाग ऐसे है जो प्राकृतिक चिकित्सा से दूर हो सकते है प्राकृतिक चिकित्सा से कोई दवाई नही लेनी पडती है और न ही कोई पैसा खर्च करना पडता है इसके अलावा मूरथल मे इजीनियरिंग कालेज की जमीन के बारे मे कहा गया है कि पिछली सरकार ने यह वायदा किया था यदि मूरथल गाव वाले इजीनियरिंग कालेज के लिए मुफत जमीन देगे तो उनके लिए पांच सीट रिजर्व रखी जाएगी। इस बारे मे मै कहना चाहूगा कि यदि पिछली सरकार के वायदो का हम पढने लेग तो भाायद पूरी टर्म ही निकल जाएगी। यह बात ठीक है कि उस ंगांव मे वह 300 एकड जमीन जी0टी0 रोड के साथ लगती है और बहुत कीमती जमीन है दिल्ली के नजदीक है यह इजीनियरिंग कालेज के लिए दी गई । इसके अलावा ि ाक्षा पद्धति के बारे मे जो बाते कहा गई वे बिल्कुल ठीक कही गई। मै कहता हू कि बडे दुर्भाग्य की बात है कि 40 लाख की स्वतत्रता प्राप्ति के बाद भी दे ा के अन्दर ि ाक्षा पद्धति मे कोई सुधार नही कर पाए। हमारे दे ा मे नए प्रधानमंत्री ने नई ि ाक्षा प्रणली

मे आमूलचूल परिवर्तन किया जाए। मै डाक्टर साहब को बताना चाहूगा कि यह केन्द्रयी सरकार का विशय है इसलिए कोई प्रान्त अपनी ि ाक्षा पद्धति को नही बदल सकता है। थोडा बहुत कोई सुधार कर सकता है। लेकिन पुरी तरह से नही बदल सकता ।

इसके अलावा कई माननीय सदस्यो ने सिचाई के बारे मे बाते कही है। माननीय सिचाई मंत्री जी ने उन बातो को सुन लिया होगा और वे उन की तरफ जरूर ध्यान देगे। इसके अलावा चौधरी भागी राम जी ने ऐलनाबाद और रानियां के बारे मे बात कही। यह बात भी ठीक है कि माननीय सदस्य के हल्के के लोग हमे ाा चौधरी देवी लाल जी के आदे ाो का इन्तजार करते है और चौधरी साहब उस हल्के के लोगो को जहा पर वोट डालने के आदे ा देते है वही डालते है। चौधरी भागी राम जी ने कहा कि वे तीसरी बार चुनकर आए है यह चौधरी देवी लाल जी का ही प्रभाव था। माननीय सदस्य की यह बात भी ठीक है कि पिछली सरकार सिरसा जिले के साथ हमे ाा भेदभाव करती रही है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि आपके हल्के ऐलनाबाद और सिरसा जिले के विकास के हर काम पूरा ध्यान रखा जाएगा। जिन जिन हल्कों के साथ पिछली सरकार भेदभाव करती रही है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूगा कि आपके हल्के ऐलनाबाद और सिरसा जिले के विकास मे हर काम पूरा ध्यान रखा जाएगा। जिन जिन हंल्को के साथ पिछली सरकार भेदभाव करती रही है उनका वि ोश ध्यान रखा जाएगा। इसके अलावा श्री कुन्दन लाल भाटिया

ने फरीदाबाद के बी0के0. हौस्पीटल के बारे मे बात कही। अध्यक्ष महोदय, मै इस बात को मानता हूं कि फरीदाबाद मे बाद ााह खां हास्पीटल की बहुत बुरी हालत है उस होस्पीटल के सामने की भी कमी है फरीदाबाद इतना बडा औधोगिक नगर है कि उनकीह आव यकता की पूर्ति के बराबर वह होस्पीटल नही है लेकिन वहा थोडा जमीन का विवाद है जब वह हल हो जाएगा वहा पर जल्दी ही काम भाुरू करवा दिया जाएगा। इसके अलावा भाटिया साहब ने फरीदाबाद कम्पलैक्स के बारे एक बात यह भीकही कि वह इतना बडा नगर है वहां पर कोई सफाई नही है, सडके टूटी पडी है और पार्के का रखरखाव ठीक नही है मै इस बारे मे फरीदाबाद कम्पलैक्स के अफसरो से बात करूगा। यह बात ठीक है कि वहा सफाई रहनी चाहिए। इसके अलावा श्री टेक चन्द जी ने ि ाक्षा के बारे मे खास तौर मे एक बात कही कि लडको को जाब ओरिएटिड टैक्नीकल ि ाक्षा दी जाए। इसके अलावा उन्होने मैडीकल कालेज और इजीनियरिग कालेज की भी बात कही। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार पहले ही फैसला कर चुकी है। कि चौधरी छोटू राम के नाम से सोनीपत जिल मे मूरथल कालेज और इजीनियरिंग कालेज खोला जाये। इस साल से वहा पर क्लासिज भी भाुरू हो चकी है। मै माननीय सदस्यो को बताना चाहूगा कि सरकार का यह इरादा है कि इसे एक फुल फलैजड इन्जीनियरिंग कालेज बनाया जाये और यह बनेगा। एक मैडिकल कालेज अग्रोहा मे महाराजा अग्रेसन के नाम पर खोलने के लिए हरियाणा सरकार ने निर्णय लिया हुआ है इस साल मे मैडिकल कालेज रोहतक के

अन्दर 50 सीटो पर दाखिला अग्रोहा कालेज के लिए होकर रोहतक मैडिकल कालेज से कलासिज भ्रु की जा रही है उम्मीद है कि डेढ साल के अन्दर अग्रोहा मे अग्रवाल कम्यूनिटी की तरफ से सहायेाग मिलने पर वहां के मैडिकल कालेज की बिल्डिग बन कर तैयार हो जायेगी और फिर डेढ साल बाद वही पर ही क्लासिज लगनी भ्रु हो जायेगी। इसे भी एक फुल फलैज्ड मैडिकल कालेज बनाया जायेगा।

इसके अलावा नैने साहब ने टैन्नरी की बात कही है उन्होने कहा है कि जीन्द की टैन्नरी को किसी बहुत बडे आदमी को दिए जाने के बारे से सौदे बाजी की जा रही है। मै इन्हे बताना चाहूगा कि किसी बडे आदमी, किसी उधोगपति या किसी पूजीपति के साथ इस उधोग को दने के लिए बातचीत नही हो रही है। हां हरियाणा के जो यूनिटस घाटे मे चल रहे है उनके निरीक्षण के लिए एक कमेटी जरूर बनी हुई है पिछले 8 व 9 महीने से विचार चल रहा है कि जो उधोग घाटे मे चले रहे है और जिनके मुनाफे मे आने की सभावना नही दिखाई देती, उसको बद किया जाये या नही। ऐसे चार उधोग, हरियाणा टेनरी, हरियाणा ऐग्रोइण्डस्ट्रीज, हरियाणा टेलीविजन कम्पनी फरीदाबाद और हरियाणा कनकास्ट हिसार है जो लगातार घाटे मे चले आ रहे है। इन उधोगो के निरीक्षण के लिए जो कमेटी बनी हुंई है। उसकी एक मीटिग कल भी हुई थी। इस बारे मे कमेटी के जो ऐक्सपर्टस है या विभाग वाले है उन्होने काफी विचारविर्म ा किया

है। और कमेटी इस नतीजे पर पहुची है कि जिन उधोगो के आगे चलने की या लाभ कमाने की आ ाा हो उनको तो दुबारा से चलाने की कोि ा ा कर ली जाये और जिन का भविश्य उज्जवल नही है। जिनके मुनाफे मे आने की कोई सम्भावना नही है। उनके बारे एक कमेटी इस नतीजे पर पहुची है यानी सिफारि ा की है कि उनको बंद कर दिया जाये। उनमे हरियाणा टेनरी जीन्द और टेलीविजन कम्पनी फरीदाबाद भाामिल है। जहा तक टेनरी का संबध है उसके बारे मे बताना चाहूगा कि जिन्होने टेनरी लगवाई थी या जिस सरकार ने टैनरी लगावाई थी और जो उसके ऐडवाइजर थे उन्होने इसकी बुनियाद ही गलत रखी थी । अध्यक्ष महोदय मै बताना चाहूगा कि इस टेनरी के लिए जो म ाीन मंगवानी थी वह तो नही मगवाई गई बल्कि दूसरे मगवा ली गई। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो स्किन हरियाणा मे उपलब्ध है उसके लिए तेा म ाीन मंगवाई नही गई बल्कि जो मैटिरियल यहा पर उपलब्ध नही है उनके लिए म ाीन खरीद ली गई ठीक है उदघाटन मैने ही किया था। भिवानी का मिनी सैक्रटेरियट पहले का बर रहा था लेकिन उदघाटन चौधरी देवी लाल जी ने किया था । उसी प्रकार से मैने इस बिल्डिग का उदघाटन किया था। मै कोई टैक्नीकल आदमी तो हू नही। आज भी हम यदि कोई फैक्टरी लगाते है और उसके लिए जो ऐक्सपर्टस है वे जैसी ऐडवाइस देगे वैसी ही म ाीने खरीदने जाएगी। गलत ऐडवाईजर्ज की वजह से वहा पर म ाीने आने` गलती हुई है इसीलिए तो मै कह रहा हू कि जो म ाीने वहापर आनी चाहिए थी वे नही आई।

तो वह कमेटी इस नतीजे पर पहुची है कि जीन्द कि टेनरी मुनाफे मे नही आ सकती है। अभी तक इस के बारे मे किसी से कोई सौदेबाजी नही हुई है। ओर ने बेचने का कोई फाईनल डिसिजन लिया गया है।

श्री कैला ा चन्द भार्मा ने नारनौल के बारे मे एक दो बाते कही। उन्होने खासतौर पर महिला कालेज के बारे मे कहा कि वहां पर अलग से महिला कालेज बनाय जाना चाहिए। वहां पर गर्ल्ज विग अगल से चल रहा है किसी के साथ पक्षपात नही किया गया। उन्होने एक बात यह भी कही कि भाहरो मे जो उधोग लगे हुए है उनके मजदूरो के लिए आवास व्यवस्था का प्रबन्ध नही है और झुग्गी झोपडियो इसी कारण से भाहरो मे बढती जा रही है। उन्होने वह भी कहा कि नई नई गन्दी बस्ताया उत्पन्न होती जा रही है । मै बताना चाहूगा कि जब कभी कोई नया उधोग लगेगा तो वहा पर मजदूरो के आवास का भी प्रबन्ध किया जाएगा। श्री कैला ा चन्द ने सिचाई के बारे मे कहा कि आज तक नाननौल के इलाके मे नहर का पानी इतना कभी नही मिला था जितना इस वर्श मिला हैं उन्होने कहा कि जवाहर लाल कैनाल पर 68 पम्प बनने है जिनमे 32 पम्प तैयार पडे है। लेकिन उनको अभी बिजली के कनैक ान्ज नही मिले है। सिचाई मंत्री साहब बैठे हुए है वे इस बारे मे देखे लेगे। श्री कैला ा चन्द भार्मा ने सिचाई मंत्री से को बधाई भी दी है कि उनके इलाके मे इस साल काफी पानी मिला है

हमारी कोि ा ा होगी कि वहा जो अभी कमी है उस कमी को भी दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यो ने कई बातो यहा उठाई है मैने अपनी तरफ से पूरी कोि ा ा की है कि प्रत्येक बात का जवाब दिया जाए। मै सभी माननीय सदस्यो का आभार प्रकट करता हूं कि उन्होने बडे अच्छे सुझाव सदन मे प्रस्तुत करके सरकार का ध्यान आकर्शित किया हैै । सभी कठिनाईयों की और सरकार गौर करेगी और उसकी समस्याओ करने का प्रयन्त करेगी। इन भाब्दो के साथ मै आपके माध्यम से सदन से निवेदन करूगा कि इन विनियोग विधेयक को सर्व सम्पति मे पास किया जाए।

Mr.Speaker: Question is-

That the Haryana appropirtion No. 2 Bill be taken into consideration at once.

The Motion was carried

Mr. Speaker: Now the House will conisider the Bills clause by clasue

Clause 2

Mr.Speaker: Question is-

That clasue 2 stand part of the Bill.

The Motion was carried

Clause 3

Mr.Speaker: Question is-

That clasue 3 stand part of the Bill.

The Motion was carried

SCHEDULE

Mr.Speaker: Question is-

That Schedule be the schedule of the Bill.

The Motion was carried

Clause1

Mr.Speaker: Question is-

That clasue 1 stand part of the Bill.

The Motion was carried

Enacting Formaula

Mr.Speaker: Question is-

That enacting formual be the encating formula of the Bill.

The Motion was carried

TITLE

Mr.Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The Motion was carried

श्री अध्यक्षः अब उप मुख्य मंत्री साहब बिल पारित करने के लिए मो ान सुत्र करेगे।

उपमुख्यमंत्री (श्री बनारसी गुप्ता): अध्यक्ष महोदय मै निवेदन करूगा कि विवेयक पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion move-

That the Bill be passed.

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मै विनियोग विधेयक के बारे मे कुछ बोलने की इजाजत चाहता हूं।

Mr. Speaker: You can not speak bu not more than two minutes in any case. You have already taken sufficient time.

श्री हीरा नन्द आर्यः(लोहारू): अध्यक्ष महोदय, मै विनियोग विधेयक के विशय मे अपनी कुछ बाते रखना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय मै सरकार के नोटिस मे लाना चाहूगा कि बहरे व्यक्तियो को विकलांग की सूची मे भाामिल नही किया गया है। मै सरकार से निवेदन करूगा कि इन लोगो को विकलांग लिस्ट मे भाामिल करके विकलांग पै ान दी जाए।

दूसरे मै यह प्रार्थना करना चाहता हू कि हमारी पार्टी ने चुनाव से पहले यह घोशण की थी कि हिसार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का नाम चौधरी चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी रखा जाएगा। सरकार की तरफ से इस बारे अभी तक कोई बिल पे ा

नही किया गया हैं सरकार से मेरी प्रार्थना है कि जल्दी से जल्दी ऐसा बिल लाया जाए ताकि हिसार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के नाम से चौधरी चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी रखा जासके।

अध्यक्ष महोदय, फसल बीमा के बारे मे भी मै एक सुझाव देना चाहता हूं। सरकार मे मेरा अनुरोध है कि फसल बीमे के बारे इफैक्टिव पग उठाए जाए ताकि जब कभी किसान की फसल प्राकृतिक आपदा से नश्ट हो जाए तो उसके बीमे की कि ते सरकार स्वंय अदा करे।

इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय हुडडा द्वारा अलौट किए गये चौदह मरले के प्लाट पर जो मकान बनाये जाते है उनमे छ फुट के प्रोजेक ाग का प्रोविजन है लेकिन जो प्लौट दस मरले के काटे जाते है उन पर मकान बनाते समय छज्जे का कोई प्रोविजन नही है जिसके फलस्वरूप आधी, बरसात और धूप के बचाव के लिए उनके पास कोई साधन नही है मेरी यह प्रार्थना है कि दस मरले के मकानो के लिए तीन चार फुट छज्जा बनाए जाने की इजाजत होनी चाहिए ताकि आंधी, बरसात और धुप से बचाव करे सके।

अध्यक्ष महोदय, काफी जमीने पर लोगो ने नायायज कब्जे कर रखे हैं। मै सरकार के नोटिस मे यह भी लाना चाहता हू कि रूल 4 के अण्डर नोटिस इ ा होने के बावजूद भी भिवानी मे रोहतक गेट के सामने लोगो से नायायज कब्जे कर रखे है।

इसी प्रकार से सारे भाहरो मे ऐसे अनाधिकृत कब्जे है। मै सरकार से प्रार्थना करूगा कि इस अनाधिकृत कब्जो को खाली करवाया जाए। मै सरकार के नोटिस मे यह बात भी लाना चाहूगा कि जिन स्थानो पर वीकर सैक ान्ज के लोगो के लिए प्लोट काटे जाने थे, उन स्थानो पर भी कुछ व्यक्तियों ने अनाधिकृत कब्जे कर रखे है। इस बारे मे सरकार से मेरी यह विनय है कि वहा पर कोई ऐमरजैसी क्लाज लगाक लोगो के नायायज कब्जे हटाकर वीकर सैक ान्ज को प्लाट दिए जाए। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय जहा जहा उधोग लगे हुए है वहा पर काफी वर्कर्ज रहते है इस वर्कर्ज की चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के ई0एस0आई0 स्कीम लागू की हुई है। इस स्कीम के तकह वर्कर्ज की चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए जो पैसा खर्च आता है उसका 90 प्रति ात ई0एस0आई0 द्वारा दिया जाता है इस स्कीम के तहत अलग से ई0एस0आई0 होस्पीटल तथा डिस्पैसरियों का प्रावधान किया हुआ है। इस समय स्कीम के तहत पांच अस्पताल और 68 डिस्पैसरियां हरियाणा मे मन्जूर ाूदा पडी है। हरियाणा सरकार ने केवल 10 प्रति ात खर्च जमीन के लिए देना है। हरियाणा सरकार द्वारा सिर्फ जमीन उपलब्ध न करवा सकने के कारण इन अस्पतालो और डिस्पैसरियों का काम भाुरू नही किया जा सका । मै सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि पर्याप्त जमीन उपलब्ध करवा करइन मन्जू ाूदा पांच अस्पतालो और 68

डिस्पैसरियो का निर्माण कार्य जल्दी पूरा करवाया जाए ताकि गरीब वर्कर्ज इस योजना से लाभ उठा सके। धन्यवाद।

Mr.Speaker: Question is-

That the Bill be passed .

The Motion was carried

श्री अध्यक्ष: अब हाउस 4 अप्रैल, 1988 बाद दोपहार 2. 00 बजे तक के लिए ऐडर्जन किया जाता है।

12.30 बजे

(तत्प चात सदन सोमवार, दिनांक 4.4.1998 बाद दोपहर 2.00 तक के लिए स्थगित हुआ)